मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 32
शुक्रवार, 07 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ा विपक्ष, राम मंदिर चोरी पर संसद में बवाल

नई दिल्ली, 06 अगस्त। मानसून सत्र के 14वें दिन, अयोध्या में राम मंदिर में दान की कथित चोरी समेत कई मुद्दों पर विपक्ष की नारेबाजी के कारण लोकसभा ने बिना किसी बहस के 'टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल' पास कर दिया। इस बिल के जरिए सरकार ने 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' में भी संशोधन किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा ने विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक का मकसद भारत की संचित निधि से पैसे निकालने की मंजूरी देना है, ताकि 31 मार्च, 2023 को खत्म हुए वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ सेवाओं पर मंजूर की गई राशि से ज्यादा खर्च हुई रकम का भुगतान किया जा सके।

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू से कहा कि वह सदन में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग कर रहे विपक्ष की भावनाओं से गृह मंत्री को अवगत कराएं। यह बात सभापति ने उस समय कही, जब दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद प्रश्नकाल के दौरान हंगामा हो रहा था। विपक्षी सदस्य अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे और सत्ता पक्ष के सदस्य उनका विरोध कर रहे थे।

सभापति ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को अपनी बात

रखने के लिए आमंत्रित किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई, जिसके कारण विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। खरगे ने कहा कि अगर मैं नियम नहीं पढ़ूं, अपने विषय को नहीं पढ़ूं, तो क्या मुझे वही पढ़ना चाहिए जो आप (रीजीजू) देते हैं? यह मेरा अधिकार है कि मैं क्या बोलूं, कब बोलूं और कैसे बोलूं। रिजिजू ने इस मांग पर आपत्ति जताते हुए कहा कि विपक्ष के नेता पिछले सात दिनों से यही मुद्दा उठा रहे हैं और नियम इस तरह के निर्देश की इजाजत नहीं देते हैं। रिजिजू ने कहा कि आप चेयर को निर्देश नहीं दे सकते, और जोड़ा कि विपक्ष के नेता सदन को अपनी शर्तें नहीं थोप सकते। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत कई विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन ने विपक्ष के हंगामे के बीच ही कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना पारित कर दिया। मानसून सत्र की शुरूआत से सदन में एक भी दिन प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो सके हैं। लोकसभा ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमलों की बरसी पर बृहस्पतिवार को पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परमाणु हथियारों के उन्मूलन और वैश्विक शांति एवं सौहार्द के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रयागराज में कार्यक्रम रद्द होने पर राहुल गांधी का हुंकार: छात्रों की आवाज नहीं दबा सकती सरकार

नई दिल्ली। प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए जगह देने वाले ट्रस्ट ने अनुमति रद्द कर दी, जिसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि बीजेपी सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह उन्हें छात्रों की आवाज उठाने से नहीं रोक सकती। विपक्ष के नेता का यह बयान तब आया जब कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उनके 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी। यह कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में होना था। ट्रस्ट ने कार्यक्रम रद्द करने के लिए आयोजन स्थल पर जलभराव का भी हवाला दिया।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन प्रशासन छात्रों

को सुनने के बजाय उन पर FIR कर रहा है। मोदी सरकार की नीति ही युवाओं की आवाज दबाना है। सवाल पूछो तो लाठी, विरोध करो तो मुकदमे, और आवाज उठाओ तो पेलेट गन। उन्होंने कहा कि जब मैंने छात्रों की बात को सुनने के लिए प्रयागराज आने का फैसला किया, तब से प्रशासन मेरे कार्यक्रम को हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश कर रहा है। साफ है, उन्हें छात्रों की गूंज से भी डर लग रहा है। मैं छात्रों के साथ हूँ। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती।

प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आठ अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम छात्रों की गूंज के लिए अनुमति केपी ट्रस्ट द्वारा रद्द किए जाने के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे और छात्रों से संवाद करेंगे। प्रयागराज में देर शाम राय ने पत्रकारों से कहा कि यह शहीदों और प्रतियोगी छात्रों की धरती है और यहां शुरू से प्रतियोगी छात्र अपना भविष्य तलाशते रहे हैं। राहुल जी आठ अगस्त को यहां आएंगे और बच्चों से संवाद करेंगे।

उन्होंने कहा कि मेरा सरकार और प्रशासन से आग्रह है कि हमें वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराए क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारे नेता राहुल गांधी बच्चों से संवाद करें। कार्यक्रम की रसीद से स्पष्ट है कि वहां (केपी ग्राउंड) खेल खिलाया जाता है।

सुखबीर बादल का आप सरकार पर तीखा हमला, कहा पेपर लीक से बर्बाद हुआ 10 लाख युवाओं का भविष्य

पंजाब, 06 अगस्त। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शुक्रवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर बार-बार प्रश्नपत्र लीक के माध्यम से पंजाब के युवाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर स्थानीय लोगों को नौकरी में आरक्षण देने का वादा किया। बादल यहां शिरोमणि अकाली दल के छात्र संगठन स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसओआई) की ओर से कथित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में आयोजित प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। बादल ने अमेरिका और चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि जो देश अपने युवाओं में निवेश करते हैं और उनकी सुरक्षा करते हैं, वही वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने वाले बन कर उभरते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के युवाओं की उपेक्षा की जा रही है और उन्हें विरोध-प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ने शिक्षा और रोजगार के प्रति पूरी तरह उदासीन रवैया अपना रखा है। बादल ने कहा कि छात्र कोचिंग और परीक्षा की तैयारी पर भारी खर्च करते हैं, लेकिन अंततः भर्ती परीक्षाएं प्रश्नपत्र लीक होने के कारण प्रभावित हो जाती हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में लगभग 10 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की चुप्पी की भी आलोचना की। प्रदर्शन के दौरान बादल ने कई चुनावी वादे भी किए। उन्होंने कहा कि यदि अकाली दल राज्य में अगली सरकार बनाता है, तो एक ऐसा कानून बनाएगा जायेगा जिसके तहत सरकारी नौकरियों में 100 प्रतिशत आरक्षण पंजाब के स्थानीय निवासियों के लिए अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि निजी उद्योगों में 70 प्रतिशत नौकरियां पंजाब के युवाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। बादल ने वादा किया कि यदि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सरकार सत्ता में आती है, तो राज्य के प्रत्येक जिले में मेडिकल एवं पशु चिकित्सा कॉलेज स्थापित किए जाएंगे तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। सत्तारूढ़ सरकार पर हमला करते हुए प्रदेश के गृह मंत्री रह चुके सुखबीर ने आरोप लगाया कि राज्य में शिक्षा क्रांति लाने के आप सरकार के दावे भ्रामक हैं और पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ गई है।

अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की निगरानी में लॉन्च

नई दिल्ली, 06 अगस्त। भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को और मजबूत करते हुए ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण 6 अगस्त को स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड (SFC) की निगरानी में किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण पूरी तरह सफल रहा और मिसाइल ने सभी निर्धारित ऑपरेशनल तथा तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया। अग्नि-4 भारत की रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का अहम हिस्सा है और यह पहले से ही स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के साथ ऑपरेशनल सेवा में शामिल है। इस सफल परीक्षण को भारत की विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल को 6 अगस्त को स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से लॉन्च किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लॉन्च ने सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैमानों को सही साबित किया। अग्नि-4 की मारक क्षमता लगभग 4,000 किलोमीटर है और यह 1,000 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकती है। यह भारत की अग्नि मिसाइल सीरीज का हिस्सा है, जो देश की स्ट्रैटेजिक डेटरेंस क्षमता का मुख्य हिस्सा है और पहले से ही SFC के साथ ऑपरेशनल सर्विस में है। इस लॉन्च ने सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैमानों को सफलतापूर्वक साबित किया।

अग्नि-4 एक सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता लगभग 4,000 किलोमीटर है, जिससे यह लंबी दूरी पर स्थित रणनीतिक लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। यह मिसाइल 1,000 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। करीब 20 मीटर लंबी यह मिसाइल अत्याधुनिक नेविगेशन और गाइडेंस प्रणाली से लैस है, जिससे लंबी दूरी पर भी सटीक निशाना साधने की क्षमता मिलती है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर जमीन या समुद्र से लॉन्च कर जमीन अथवा समुद्र में मौजूद लक्ष्यों पर प्रहार किया जा सके।

अग्नि-4, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित अग्नि मिसाइल श्रृंखला की चौथी मिसाइल है। यह श्रृंखला भारत की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता का आधार मानी जाती है और देश की सामरिक सुरक्षा रणनीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अग्नि-4 का परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में किया गया। जो, भारत की न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी का प्रमुख परिचालन अंग है और देश की सामरिक एवं परमाणु हथियार प्रणाली के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अग्नि-4 का सफल परीक्षण भारत की दीर्घ दूरी की मिसाइल क्षमता और सामरिक प्रतिरोधक शक्ति को और मजबूत करता है। यह परीक्षण इस बात का भी संकेत है कि भारत अपनी रणनीतिक रक्षा तैयारियों और स्वदेशी रक्षा तकनीक के विकास को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान में पुलिसकर्मियों पर दोहरा हमला; एक की गोली मारकर हत्या, दूसरे का घर से अपहरण

पाकिस्तान, 06 अगस्त। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग घटनाओं में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य का अपहरण कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात हुई इन दोनों घटनाओं के पीछे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और जांच जारी है। पहली घटना बन्नू जिले की है, जहां पुलिस की विशेष शाखा में तैनात कांस्टेबल नूर आलम जब अपने घर से ड्यूटी पर जा रहे थे, तब अज्ञात हमलावरों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आलम रोज इसी रास्ते से अपने कार्यस्थल जाते थे।

छावनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बन्नू-मिरानशाह रोड पर मासूमाबाद के पास उन पर यह हमला हुआ। वारदात को

अंजाम देने के तुरंत बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। एक अन्य घटना में, टांक जिले के शहीद मुरीद अकबर थाने में वायरलेस ऑपरेटर के रूप में कार्यरत कांस्टेबल इरफानउल्लाह का उनके पैतृक गांव शेख अवतार से अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इरफानउल्लाह उस समय छुट्टी पर थे। टांक के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है और घटना की जांच जारी है। अपहृत कांस्टेबल की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मोहन भागवत बोले - लोकतंत्र में विरोध जरूरी, लेकिन मकसद आम सहमति होना चाहिए

नई दिल्ली, 06 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है, लेकिन इसका मकसद विभाजन पैदा करने के बजाय आम सहमति बनाना होना चाहिए। भागवत ने मुंबई में 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट

नेशन्स' (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में में 'जेन-जी' और 'जेन अल्फा' के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, "विरोध प्रदर्शन भी बातचीत का एक तरीका है। लोकतंत्र में, विरोध प्रदर्शन आम सहमति बनाने का एक जरिया है। अलग-अलग विचार एक साथ आते हैं और चर्चा के बाद आम सहमति बनती है।"

उन्होंने कहा, "अगर विभिन्न कारणों से बातचीत के जरिए चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो लोग आंदोलन की ओर जा सकते हैं। लेकिन इन सबका मकसद आम सहमति बनाना है, न कि विभाजन पैदा करना।

जेन-जी की शिकायतें जायज हैं और मुझे उनकी ईमानदारी पर भरोसा है।" भागवत के इस संवाद को आरएसएस की ओर से 'जेन-जी' और 'जेन अल्फा' तक पहुंचने की सबसे अहम कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। यह कोशिश 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के उस विरोध-प्रदर्शन के बाद हो रही है, जो नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर हुआ था तथा उसके फलस्वरूप केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। भागवत ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर जताई जा रही चिंताएं जायज हैं।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास- दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्न का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

पनीर के नाम पर पाम ऑयल का खेलः उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और भरोसे पर चोट

अशोक भाटिया

भारतीय जनमानस के खान-पान में दूध और उससे बने उत्पादों का स्थान केवल पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। विशेष रूप से शाकाहारी आबादी के लिए पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का सबसे विश्वसनीय और सुलभ स्रोत माना जाता रहा है। त्योहारों का उल्लास हो, घर में मेहमानों का आगमन या फिर किसी रेस्टोरेंट का मेन्यू, पनीर की मौजूदगी अनिवार्य सी होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से हमारी थाली में परोसे जा रहे इस पारंपरिक उत्पाद के पीछे 'एनालॉग पनीर' यानी कृत्रिम पनीर का एक ऐसा घालमेल पैठ बना चुका है, जिसने न केवल उपभोक्ताओं के विश्वास को तोड़ा है, बल्कि जनस्वास्थ्य के सामने भी एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस कृत्रिम विकल्प के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाने के बाद, अब गुजरात सरकार ने भी इस विषय पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। गुजरात, जो देश में श्वेत क्रांति का अगुआ और डेयरी उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र रहा है, वहाँ इस प्रकार के नकली पनीर का बड़े पैमाने पर पकड़ा जाना और उस पर प्रतिबंध का फैसला होना यह साबित करता है कि समस्या कितनी गहरी और व्यापक हो चुकी है। यह कदम केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि यह देश के खाद्य सुरक्षा तंत्र, उपभोक्ता अधिकारों और पारंपरिक डेयरी उद्योग को बचाने के लिए एक आवश्यक शल्य-क्रिया (सर्जरी) की तरह है।

आम उपभोक्ता के लिए 'एनालॉग' शब्द तकनीकी लग सकता है, लेकिन इसका सीधा और सरल अर्थ है–एक ऐसा छलावा जो दिखता असली पनीर जैसा है, लेकिन जिसका दूध से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं होता। असली पनीर का निर्माण पूरी तरह से शुद्ध दूध को फाड़कर किया जाता है, जिसमें दूध का गाढ़ा प्रोटीन और वसा शामिल होते हैं। इसके विपरीत, एनालॉग पनीर एक पूर्णतः औद्योगिक और रासायनिक प्रक्रिया का परिणाम है। इसमें दूध के बहुमूल्य फैट को निकालकर उसके स्थान पर सस्ते और रिफाइंड पाम ऑयल या अन्य वनस्पति तेलों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इसकी बनावट और बनावटी कड़ेपन को असली पनीर जैसा दिखाने के लिए भारी मात्रा में स्टार्च, रासायनिक इमल्सीफायर्स, और कृत्रिम रंगों व सुगंधों का मिश्रण किया जाता है।

व्यवसाय जगत और मुनाफाखोरों के लिए यह उत्पाद किसी वरदान से कम नहीं था। जहाँ असली पनीर को बनाने में भारी मात्रा में शुद्ध दूध की आवश्यकता होती है और उसकी उत्पादन लागत स्वाभाविक रूप से अधिक होती है, वहीं एनालॉग पनीर चंद रसायनों और सस्ते आयातित पाम ऑयल की मदद से बेहद कम लागत में तैयार हो जाता है। बाजार के गणित को समझें, तो असली पनीर की तुलना में यह कृत्रिम पनीर लगभग आधी या उससे भी कम कीमत पर बनकर तैयार हो जाता है। इसी भारी मुनाफे के लालच ने इसे देश भर के होटलों, ढाबों, स्ट्रीट फूड वेंडरों और पिज्जा-बर्गर चेन तक पहुँचा दिया। उपभोक्ता अनजाने में जिसे एक पौष्टिक आहार समझकर खा रहा था, वह वास्तव में रसायनों और सस्ते तेल का एक खतरनाक कोलाज था।

एनालॉग पनीर का सबसे चिंताजनक पहलू इसका मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दीर्घकालिक और विनाशकारी प्रभाव है। चिकित्सा विज्ञान और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, पाम ऑयल और रिफाइंड वनस्पति तेलों को जब उच्च तापमान पर बार-बार संसाधित किया जाता है, तो वे ट्रांस-फैट और सैचुरेटेड फैट में बदल जाते हैं। यह वसा हमारे शरीर के लिए एक धीमे जहर की तरह काम करती है। इसका नियमित सेवन रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाता है, जिससे धमनियों में रुकावट पैदा होती है और कम उम्र में ही हृदय रोग व पल्स स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इसके अतिरिक्त, इस कृत्रिम पनीर को लंबे समय तक खराब होने से बचाने और उसकी बनावट को बनाए रखने के लिए जिन रासायनिक प्रिजर्वेटिव्स और इमल्सीफायर्स का उपयोग किया जाता है, वे हमारे पाचन तंत्र, लीवर और किडनी पर सीधा प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोटापे की समस्या, फैटी लीवर और चयापचय (मेटाबॉलिज्म) से जुड़ी बीमारियों के पीछे इस तरह के छिपे हुए कृत्रिम खाद्य पदार्थों की एक बड़ी भूमिका है। असली पनीर जहाँ शरीर को आवश्यक अमीनो एसिड, कैल्शियम और विटामिन प्रदान करता है, वहीं यह एनालॉग पनीर शरीर को केवल खाली कैलोरी और हानिकारक वसा देता है। यह स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब कुपोषण से लड़ रहे बच्चों या प्रोटीन की कमी से जूझ रहे मरीजों को अनजाने में यह नकली उत्पाद परोस दिया जाता है, जिससे उनके शरीर को आवश्यक पोषण मिलने के बजाय नई बीमारियाँ उपहार में मिल जाती हैं।

खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुसार, किसी भी उत्पाद को बेचते समय उसके पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि वह क्या है। यदि कोई उत्पाद 'एनालॉग' या नॉन-डेयरी है, तो उसे 'पनीर' के नाम से नहीं बेचा जा सकता। उसे 'वेजिटेबल फैट ब्लेंड' या ऐसा ही कोई तकनीकी नाम देना अनिवार्य है। लेकिन भारतीय खाद्य बाजार की जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा रही है। मुनाफाखोरी के इस पूरे खेल में पारदर्शिता को पूरी तरह से ताक पर रख दिया गया। थोक बाजारों से लेकर खुदरा दुकानों और रेस्टोरेंट के किचन तक, इस उत्पाद को सरेआम 'सस्ता पनीर' या 'स्पेशल पनीर' बताकर खपाया गया।

यह सीधे तौर पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए 'जानने के अधिकार' और 'भ्रामक विज्ञापनों व प्रथाओं के खिलाफ अधिकार' का घोर उल्लंघन है। जब एक ग्राहक किसी रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी या पिज्जा के लिए भारी-भरकम भुगतान करता है, तो वह यह उम्मीद करता है कि उसे शुद्ध और पौष्टिक डेयरी उत्पाद दिया जा रहा है। उसे यह कभी नहीं बताया जाता कि उसकी थाली में जो तैर रहा है, वह दूध से नहीं बल्कि पाम ऑयल और स्टार्च से बनी एक कतरन है। यह आर्थिक धोखाधड़ी तो है ही, साथ ही यह जन-विश्वास के साथ किया गया एक अक्षम्य अपराध भी है।

महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में इस प्रतिबंध का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक आयाम है–हमारी डेयरी अर्थव्यवस्था की सुरक्षा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पशुपालन और डेयरी उद्योग पर टिकी हुई है। करोड़ों छोटे और सीमांत किसान दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। जब बाजार में दूध से बनने वाले असली उत्पादों के स्थान पर रसायनों और आयातित पाम ऑयल से बने सस्ते विकल्प अवैध रूप से हावी होने लगते हैं, तो इसका सीधा असर दूध की मांग और उसकी कीमतों पर पड़ता है।

यदि सिंथेटिक और एनालॉग पनीर इसी तरह बाजार पर कब्जा जमाए रखते, तो डेयरी सहकारी समितियों और निजी डेयरियों के लिए किसानों से सही कीमत पर दूध खरीदना नामुमकिन हो जाता। यह स्थिति अंततः हमारे ग्रामीण अर्थतंत्र को पंगु बना देती। गुजरात जैसे राज्य में, जहाँ अमूल जैसी सहकारिता की विशाल संरचना ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, वहाँ एनालॉग पनीर का प्रसार इस पूरी श्वेत क्रांति के मूल सिद्धांतों पर एक सीधा प्रहार था। इसलिए, गुजरात सरकार का यह प्रतिबंध केवल स्वास्थ्य की रक्षा नहीं है, बल्कि यह देश के अन्नदाताओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट से बचाने का एक सुरक्षा कवच भी है। निश्चित रूप से, महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों द्वारा उठाए गए ये कदम अत्यधिक सराहनीय और स्वागत योग्य हैं। लेकिन इतिहास गवाह है कि केवल कागजी कानूनों या तात्कालिक प्रतिबंधों से मिलावटखोरी और कालाबाजारी के संगठित नेटवर्क को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता। जैसे ही प्रशासनिक मुस्तैदी थोड़ी कम होती है, ये तत्व नए रास्तों और नए नामों से बाजार में दोबारा सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए, इस प्रतिबंध को पूरी तरह से प्रभावी बनाने के लिए एक बहुआयामी और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रवर्तन तंत्र को और अधिक मजबूत, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ानी होगी और औचक निरीक्षण (सरप्राइज रेड्स) की प्रक्रिया को नियमित करना होगा, विशेषकर त्योहारों के सीजन में और थोक मंडियों में। इसके साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारी जुमार्ने और गैर-जमानती जेल जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान जमीनी स्तर पर कड़ाई से लागू होना चाहिए, ताकि कानून का खौफ मिलावटखोरों के मन में बैठ सके।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है–उपभोक्ता जागरूकता। जब तक देश का आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं होगा, तब तक कोई भी कानून पूर्णतः सफल नहीं हो सकता। उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाना चाहिए कि वे पैकेज्ड पनीर खरीदते समय लेबल को ध्यान से पढ़ें और 'वेजिटेबल फैट' या 'एनालॉग' जैसे शब्दों के प्रति सतर्क रहें। स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया के माध्यम से असली और नकली पनीर की पहचान करने के सरल घरेलू तरीकों (जैसे आयोडीन टेस्ट या हाथ से मसलकर देखना) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

अंततः, यह लड़ाई केवल एक खाद्य उत्पाद के प्रतिबंध की नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के स्वास्थ्य, हमारे बच्चों के भविष्य और हमारी आर्थिक ईमानदारी की रक्षा की लड़ाई है। महाराष्ट्र और गुजरात ने राह दिखाई है, अब देश के अन्य राज्यों को भी बिना किसी देरी के इस दिशा में कड़े कदम उठाने चाहिए। एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब हमारी थाली में परोसा जाने वाला हर निवाला शुद्ध, सुरक्षित और धोखे से मुक्त हो।

अखिलेश की फिल्म धुरंधर पर नाराजगी के सियासी मायने

-अजय कुमार

सिनेमा और राजनीति का रिश्ता हमेशा से गहरा रहा है, लेकिन जब परदे की कहानियां सीधे तौर पर चुनावी मैदान के समीकरणों और राजनीतिक दलों के इतिहास को प्रभावित करने लगें, तो सियासत गरमाना लाजिमी है। हाल ही में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इस फिल्म को सीधे तौर पर एक सरकारी प्रोपेगेंडा करार देते हुए यह तक कह दिया है कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। आखिर क्या वजह है कि एक कमर्शियल फिल्म पर सूबे के इतने बड़े राजनेता को इतनी कड़ी आपत्ति जतानी पड़ी और क्यों उन्होंने सरकार बनने पर जांच की बात कहकर राजनीतिक दांव चला है, इसे वर्तमान और अतीत के राजनीतिक घटनाक्रम के आईने में आसानी से समझा जा सकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में वह किस्सा है जिसका इस्तेमाल हालिया दौर के राजनीतिक नैरेटिव को गढ़ने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वेंस में पूर्वांचल के एक चर्चित माफिया डॉन के किरदार और उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों के साथ संबंधों को परदे पर दिखाया गया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि उक्त माफिया राजनेता अतीत में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा तक पहुंच चुका था। राजनीतिक विरोधियों ने इस सिनेमैटिक प्लॉट का इस्तेमाल तुरंत समाजवादी पार्टी को घेरने के लिए हथियार के रूप में करना शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे उन पोस्टरों और विज्ञापनों ने आग में घी का काम किया, जिनमें सपा के पुराने शासनकाल की तुलना फिल्म के काल्पनिक और अराजक 'राज' से कर दी गई। जब किसी दल के पूरे राजनीतिक अतीत, उसकी कार्यप्रणाली और पुराने दौर के दागों को बड़े परदे के जरिए जनमानस के बीच इस तरह परोसा जाए कि सीधा संबंध किसी खास दल से जुड़े होने का आभास हो, तो दल के मुखिया के लिए उस पर प्रतिक्रिया देना राजनीतिक मजबूरी बन जाता है।

अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख महज एक फिल्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत भाजपा सरकार पर विपक्षियों की छवि धूमिल करने के लिए सरकारी तंत्र और संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया जाता रहा है। अखिलेश ने यह सवाल उठाकर कि इस तरह के फिल्म निर्माण में भारी-भरकम पैसा कहां से आ रहा है और कौन लोग इसके पीछे हैं, एक तीर से कई निशाने साधे हैं। उनका यह बयान इस बात का प्रतीक है कि समाजवादी पार्टी अब वैचारिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी आक्रामक तेवर अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। जब राजधानी में विपक्षी खेमे द्वारा लगातार ऐसे पोस्टर चस्पा किए जाएं जो पार्टी के पुराने शासनकाल को अपराध और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ के रूप में चित्रित करें, तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अखिलेश यादव के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इन हमलों को सिर्फ जुबानी जमाखर्च से न टालें, बल्कि भविष्य की सत्ता का विश्वास दिलाकर अपने कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा रखें और विरोधियों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दें।

सरकार बनने पर फिल्म निर्माण और इसके वित्तपोषण की जांच कराए जाने की बात कहकर अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के समर्थकों और कैडर को भी एक कड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों, कानून-व्यवस्था के मुद्दों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न जैसे अन्य समकालीन मुद्दों के बीच, 'धुरंधर' जैसी फिल्मों के जरिए बन रहे नैरेटिव को काउंटर करना समाजवादी पार्टी के लिए अस्तित्व की लड़ाई जैसा बन गया है। अखिलेश भली-भांति समझते हैं कि यदि जनता के बीच इस प्रोपेगेंडा का माकूल जवाब समय रहते नहीं दिया गया, तो यह उनकी पार्टी की सेक्युलर और प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। यही कारण है कि उन्होंने आक्रामक रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सत्ता परिवर्तन होने पर केवल वर्तमान नीतियां ही नहीं, बल्कि इस प्रकार के राजनीतिक छद्म युद्धों और उनके वित्तीय स्रोतों की परतों को भी कानूनी दायरे में बेनकाब किया जाएगा।

गाँव की हर चीज चाहिए, लेकिन गाँव नहीं चाहिए

गाँव की हर चीज चाहिए, लेकिन गाँव नहीं चाहिए।₹ यह एक साधारण-सा वाक्य नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय समाज की बदलती मानसिकता का सटीक चित्रण है। हम गाँव के शुद्ध दूध की बात करते हैं, देसी घी की प्रशंसा करते हैं, जैविक अनाज खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं, गाँव के फलों और सब्जियों को स्वास्थ्य का आधार मानते हैं, गाँव की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक जीवन को अपनी पहचान बताते हैं, लेकिन जब स्वयं गाँव में रहने की बात आती है तो अधिकांश लोग उससे दूरी बनाना चाहते हैं। यह विरोधाभास केवल जीवन-शैली का नहीं, बल्कि विकास की हमारी अवधारणा का भी प्रश्न है। भारत को सदियों से गाँवों का देश कहा जाता रहा है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। हमारी अर्थव्यवस्था की नींव कृषि पर टिकी है और कृषि गाँवों के बिना संभव नहीं। फिर भी विडंबना यह है कि गाँव का उत्पाद सम्मान पाता है, लेकिन गाँव स्वयं उपेक्षा का शिकार है। हम गाँव से सब कुछ लेना चाहते हैं, पर गाँव को वह सम्मान, सुविधाएँ और अवसर देने में पीछे रह जाते हैं जिनका वह अधिकारी है।

आज शहरों में ₹ऑर्गेनिक₹ का बड़ा बाजार है। गाँव का गेहूँ, बाजरा, सरसों का तेल, देसी दालें और ताजी सब्जियाँ ऊँचे दामों पर बिकती हैं। लोग गाँव के शहद, देसी गुड़ और मोटे अनाज को स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। लेकिन इन उत्पादों को पैदा करने वाले किसान का जीवन अक्सर संघर्षों से भरा रहता है। जिस किसान की मेहनत शहर के लोगों की थाली सजाती है, उसी किसान के बच्चे बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन करने को विवश हैं। ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी पूँजी उसके सामाजिक संबंध रहे हैं। सुख-दुःख में पूरा गाँव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। विवाह, त्योहार, फसल कटाई या किसी संकट की घड़ी–हर अवसर सामूहिकता का प्रतीक होता था। आज शहरी जीवन में लोग इसी अपनत्व की तलाश करते हैं। बड़े-बड़े अपार्टमेंटों में रहने वाले लोग अपने पड़ोसी तक को नहीं जानते। दूसरी ओर गाँव की चौपाल, पीपल की छाँव और सामूहिक संवाद अब धीरे-धीरे स्मृतियों में बदलते जा रहे हैं। हम उस आत्मीयता की प्रशंसा तो करते हैं, लेकिन उसे बचाने के लिए कुछ नहीं करते।

शिक्षा और रोजगार की तलाश ने गाँवों से युवाओं का पलायन तेज किया है। यह पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक भी है। पढ़ा-लिखा युवा शहर में बसना अपनी सफलता मानने लगा है। गाँव लौटना उसे पिछड़ेपन का प्रतीक लगता है। परिणामस्वरूप गाँवों में बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे अधिक रह गए हैं, जबकि युवाओं की ऊर्जा शहरों में खप रही है। यदि गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ, उद्योग और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध हों, तो बड़ी संख्या में लोग अपने गाँव में ही रहना पसंद करेंगे।

यह भी सच है कि गाँवों में अनेक चुनौतियाँ हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंटरनेट, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी कई क्षेत्रों में दिखाई देती है। सामाजिक कुरीतियाँ, जातिगत

-प्रियंका सौरभ

भेदभाव और रूढ़िवादिता जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। इन कमियों को स्वीकार करना आवश्यक है, लेकिन समाधान गाँव से भागने में नहीं, बल्कि गाँव को बेहतर बनाने में है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब गाँव का महत्व और बढ़ जाता है। स्वच्छ हवा, खुले मैदान, पेड़-पौधे, जल स्रोत और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन गाँव की पहचान हैं। शहरों में कृत्रिम पार्क बनाकर लोग प्रकृति का अनुभव करना चाहते हैं, जबकि गाँव में प्रकृति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। यदि हमने गाँवों को बचाए बिना केवल शहरों का विस्तार किया, तो आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक जीवन केवल पुस्तकों और चित्रों में देखने को मिलेगा। कोविड-19 महामारी ने भी हमें गाँव का महत्व समझाया। जब शहरों की आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं, तब लाखों लोग अपने गाँव लौटे। गाँव ने उन्हें आश्रय दिया, भोजन दिया और जीवन को फिर से संभालने का अवसर दिया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि गाँव केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि संकट के समय समाज की सबसे मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था भी है। आज आवश्यकता केवल ग्रामीण विकास योजनाएँ बनाने की नहीं, बल्कि विकास की सोच बदलने की है। गाँव को शहर बनाने की नहीं, बल्कि गाँव को उसकी विशेषताओं के साथ आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की आवश्यकता है। अच्छी सड़कें, गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, डिजिटल कनेक्टिविटी, आधुनिक अस्पताल, कृषि आधारित उद्योग, कौशल विकास और स्थानीय रोजगार–ये सब गाँव के विकास की वास्तविक आधारशिला हैं। यदि अवसर गाँव में होंगे तो पलायन स्वतः कम होगा।

हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में भी

गाँव के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि खेती केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा का आधार है। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षक भी है। गाँव केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूल स्रोत है।

मीडिया और मनोरंजन जगत की भी इसमें बड़ी भूमिका है। अक्सर गाँव को या तो अत्यधिक पिछड़ा दिखाया जाता है या केवल रोमांटिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। वास्तविक गाँव इन दोनों छवियों से अलग है। वहाँ संघर्ष भी है, संभावनाएँ भी हैं; परंपरा भी है और परिवर्तन की आकांक्षा भी। संतुलित चित्रण ही समाज में सही दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।

सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। कृषि के साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, कुटीर उद्योग, ग्रामीण पर्यटन और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर गाँवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। डिजिटल तकनीक और ई-कॉमर्स के माध्यम से गाँव के उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सकते हैं। इससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की आय भी बढ़ेगी और गाँव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। गाँव की पहचान केवल खेतों से नहीं, बल्कि उसके संस्कारों से भी है। बड़ों का सम्मान, सामूहिकता, सहयोग, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सादगी–ये मूल्य आज भी गाँव की सबसे बड़ी ताकत हैं। आधुनिकता का अर्थ इन मूल्यों को छोड़ देना नहीं, बल्कि इन्हें समय के अनुरूप आगे बढ़ाना है। यदि विकास की दौड़ में हम इन मूल्यों को खो देंगे, तो आर्थिक समृद्धि भी हमें मानसिक संतोष नहीं दे पाएगी।

समाज को यह स्वीकार करना होगा कि शहर और गाँव एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक हैं। शहर उद्योग, शिक्षा और सेवाओं के केंद्र हैं, जबकि गाँव कृषि, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के आधार हैं। दोनों का संतुलित विकास ही राष्ट्र को सशक्त बना सकता है। केवल शहरों को विकसित करके और गाँवों की उपेक्षा करके समावेशी विकास का सपना पूरा नहीं हो सकता।

आज समय आ गया है कि हम अपने भीतर झाँककर स्वयं से प्रश्न करें–क्या हम वास्तव में गाँव से प्रेम करते हैं, या केवल गाँव की उपज और उसकी सुविधाओं से? यदि हमें गाँव का अन्न चाहिए, दूध चाहिए, हवा चाहिए, संस्कृति चाहिए, लोकगीत चाहिए, त्योहार चाहिए और अपनापन चाहिए, तो हमें गाँव भी चाहिए। गाँव को केवल संसाधनों का स्रोत मानने की मानसिकता बदलनी होगी। गाँव जीवित रहेंगे, तभी हमारी संस्कृति, हमारी कृषि और हमारी पहचान भी जीवित रहेगी। वास्तविक विकास तब होगा जब कोई युवा गाँव छोड़ने को मजबूर न हो, बल्कि गाँव में रहकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर पाए। जब किसान का बेटा खेती करने में गर्व महसूस करे, जब गाँव की बेटी को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हों, जब गाँव की चौपाल पर आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान साथ-साथ बैठें, तब भारत वास्तव में आत्मनिर्भर और समृद्ध कहलाएगा। आइए, केवल गाँव की चीजों से प्रेम न करें, बल्कि गाँव से भी प्रेम करें। क्योंकि गाँव बचेगा तो खेत बचेंगे, खेत बचेंगे तो अन्न बचेगा, अन्न बचेगा तो जीवन बचेगा, और जीवन बचेगा तो हमारी सभ्यता भी सुरक्षित रहेगी। सच यही है–गाँव की हर चीज नहीं, गाँव भी चाहिए।

असम बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आश्रम विद्यालय के विद्यार्थियों ने जुटाये 17,060 रुपये

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। समाज सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए पालघर जिले के जव्हार परियोजना अंतर्गत अति दुर्गम क्षेत्र स्थित शासकीय आश्रमशाला दाभेरी के विद्यार्थियों ने असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपने नाश्ते (खाऊ) के लिए मिलने वाले पैसे बचाकर 17,060 रुपये की राशि एकत्र की। विद्यार्थियों ने यह राशि जव्हार परियोजना अधिकारी एवं सहायक जिलाधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर को सौंपकर जरूरतमंदों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया।

डॉ. अपूर्वा बासुर की प्रेरणा से चलाये गये इस सराहनीय अभियान ने विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, मानवीय संवेदना और आपदा पीड़ितों के प्रति सहयोग की भावना को और मजबूत किया। सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों द्वारा अपनी छोटी-छोटी बचत से की गई यह मदद समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।कार्यक्रम के दौरान डॉ. अपूर्वा बासुर ने विद्यालय में संचालित विभिन्न नवाचारों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना तथा व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्यक्रम लगातार चलाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। अति दुर्गम क्षेत्र के इन विद्यार्थियों की सेवा भावना की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। इस पहल ने यह संदेश दिया कि मदद करने की भावना उम्र नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों की पहचान होती है। इस अवसर पर सहायक परियोजना अधिकारी दीपक टिके, कार्यालय अधीक्षक योगेश भोये, शिक्षा विस्तार अधिकारी सोमनाथ धोंडे, विद्यालय के प्रधानाध्यापक डी. जे. जामनिक तथा छात्र कुंदन वले और छात्रा दर्शना गांगोडा उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा ने कोहिनूर बिल्डिंग हादसे के सात दिन बाद बचे हुये हिस्से को भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ जमींदोज किया

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के नारपोली स्थित गंगारामवाड़ी में 30 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे कोहिनूर अपार्टमेंट की चार मंजिला इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे के बाद इमारत का शेष हिस्सा भी अत्यंत जर्जर और खतरनाक घोषित किया गया था, जिसे गुरुवार को सातवें दिन पोकलेन मशीन की सहायता से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। शुरूआत में स्थानीय रहवासियों ने इमारत गिराने का विरोध किया था। इसके बाद भिवंडी मनपा प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को समझाया तथा उनके फ्लैटों का पंचनामा सौंपने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान मनपा के अधिकारी-कर्मचारी और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। इसी बीच हादसे से सटी संपत्ति क्रमांक 1556 की इमारत को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। एहतियात के तौर पर वहां रहने वाले सभी परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इमारत का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाएगा और आवश्यक मरम्मत के बाद ही उसे उपयोग के लिए अनुमति दी जाएगी। यदि जांच में इमारत भी खतरनाक पाई जाती है तो उसे भी ध्वस्त किया जाएगा। मनपा के मुख्यालय उपायुक्त विक्रम दराडे ने बताया कि नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

काइनेटिक ग्रुप ने लॉन्च की 'काइनेटिक्स इलेक्ट्रिक एनर्जी' कॉफी टेबल बुक

मुंबई। भारत के सबसे पसंदीदा ऑटोमोटिव ब्रांड्स में से एक, काइनेटिक ग्रुप ने आज 'काइनेटिक्स इलेक्ट्रिक एनर्जी द स्टोरी ऑफ इंडियाज ओरिजिनल पीपल मूवर' नामक कॉफी टेबल बुक के विमोचन की घोषणा की। 'काइनेटिक लेगेसी मीट' के दौरान लॉन्च की गई यह पुस्तक भारत के मोबिलिटी परिदृश्य में काइनेटिक के 5 दशकों से अधिक के ऐतिहासिक योगदान का जश्न मनाती है और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए युग में ब्रांड के प्रवेश को रेखांकित करती है।

प्रसिद्ध ऑटोमोटिव इतिहासकार और वरिष्ठ पत्रकार आदिल जल दारूखानावाला द्वारा लिखित यह 180 पृष्ठों की पुस्तक एक प्रामाणिक 'कलेक्टर एडिशन' है। इसमें सैकड़ों दुर्लभ तस्वीरें, अभिलेखीय दस्तावेज और ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण शामिल है। यह पुस्तक प्रतिष्ठित 'लूना' से लेकर क्रांति लाने वाले 'काइनेटिक डीएक्स', नए कॉन्सेप्ट व्हीकल्स, एंड्योरेंस रिकॉर्ड्स, वैश्विक अभियानों और हाल ही में पेश किए गए ऑल-न्यू इलेक्ट्रिक 'काइनेटिक डीएक्स' के सफर को विस्तार से दर्ज करती है। यह फिरोदिया परिवार की तीन पीढ़ियों के उस दूरदर्शी दृष्टिकोण को भी सामने लाती है, जिसने भारत में व्यक्तिगत परिवहन को एक नई दिशा दी।

इस ऐतिहासिक अवसर पर काइनेटिक ने 'आई एम काइनेटिक' कम्युनिटी प्लेटफॉर्म का भी अनावरण किया। यह पहल उन लाखों ग्राहकों, कर्मचारियों, डीलरों, कलेक्टर्स और पार्टनर्स को एक साथ लाने का काम करेगी, जो इस ब्रांड की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

लॉन्च के अवसर पर काइनेटिक इंजीनियरिंग लिमिटेड और काइनेटिक वॉट्स एंड वॉल्ट्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अजिंक्य फिरोदिया ने कहा, ₹यह पुस्तक केवल हमारे अतीत का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि उस सोच, नवाचार और लोगों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने पिछले पांच दशकों में हमारी पहचान बनाई। लूना से लेकर आज के इलेक्ट्रिक युग तक, काइनेटिक का उद्देश्य हमेशा नवाचार के जरिए लोगों को सशक्त बनाना रहा है। हमें विश्वास है कि यह संग्रह आने वाली पीढ़ियों, उद्यमियों और ऑटोमोटिव उत्साही लोगों को प्रेरित करेगा। पुस्तक के लेखक आदिल जल दारूखानावाला ने कहा, काइनेटिक की कहानी केवल एक ब्रांड के बनने की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारत के परिवहन इतिहास का एक बेहद महत्वपूर्ण अध्याय है।

म्हाडा के लिए आरक्षित मकान नहीं सौंपने वाले बिल्डरों पर सख्त कार्रवाई करें : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य के कैबिनेट मंत्री तथा मुंबई उपनगर जिले के सह-पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नए आवासीय परियोजनाओं में म्हाडा के लिए आरक्षित मकान यदि बिल्डर म्हाडा को हस्तांतरित नहीं करते हैं, तो केवल एफआईआर दर्ज कर रुकना पर्याप्त नहीं है। ऐसे मामलों में संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें जेल भी भेजा जाए। वे बांद्रा (पश्चिम) स्थित रंगशारदा सभागार में आयोजित म्हाडा मुंबई मंडल के कम्प्यूटरीकृत आवासीय लॉटरी कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर आवास राज्यमंत्री पंकज भोयर, महापौर श्रीमती रितू तावड़े, म्हाडा के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित थे। इस दौरान 2,640 आवासों की कम्प्यूटरीकृत लॉटरी निकाली गई। श्री लोढ़ा ने कहा कि विकास नियंत्रण नियमावली के अनुसार अतिरिक्त विकास अधिकार (एफएसआई) का लाभ लेने वाले बिल्डरों के लिए म्हाडा के हिस्से के आरक्षित मकान उसे सौंपना अनिवार्य है। लेकिन अनेक मामलों में ये मकान वर्षों तक म्हाडा को हस्तांतरित नहीं किए जाते, जिससे आम नागरिकों को मिलने वाले आवास अटक जाते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ एफआईआर दर्ज करके मत रुकिए। संबंधित बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कीजिए। जरूरत पड़े तो उन्हें जेल भेजिए। यदि एक-दो मामलों में कठोर कार्रवाई होगी, तो अन्य बिल्डर भी नियमों का पालन करेंगे और म्हाडा के लिए आरक्षित मकान समय पर सौंपेंगे। इससे कम से कम एक हजार अतिरिक्त मकान तत्काल उपलब्ध हो सकेंगे और उन्हें आम नागरिकों को आवंटित किया जा सकेगा।

श्री लोढ़ा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा महानगरपालिका के प्रत्येक विभाग में नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए शुरू की गई सलाहकार समिति की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी तर्ज पर म्हाडा में भी ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आवास क्षेत्र के विशेषज्ञों, वास्तुकारों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा संबंधित क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी व्यक्तियों को शामिल करते हुए सलाहकार समितियों का गठन किया जाए। इससे नागरिकों और म्हाडा प्रशासन के बीच संवाद अधिक प्रभावी होगा तथा स्थानीय स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव होगा।

श्री लोढ़ा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में म्हाडा ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन जनोन्मुखी, पारदर्शी और जवाबदेह आवास व्यवस्था के लिए प्रशासन और नागरिकों के बीच समन्वय और अधिक मजबूत होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को पारदर्शी, न्यायसंगत और किफायती आवास उपलब्ध कराया जाए। म्हाडा के प्रत्येक घर पर नागरिकों का अधिकार सुरक्षित रहे, इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गायत्री एंटरप्राइजेज ने शुरू की 24×7 टूर्स एंड ट्रैवल्स सेवा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पूर्व स्थित गायत्री एंटरप्राइजेज (टूर्स एंड ट्रैवल्स) द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 24 घंटे परिवहन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

संस्था की ओर से बताया गया कि निजी, पारिवारिक, धार्मिक, पर्यटन एवं व्यावसायिक यात्राओं के लिए सभी प्रकार के वाहन किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए सेवा सप्ताह के सातों दिन एवं 24 घंटे संचालित की जा रही है। वाहन बुकिंग एवं अन्य जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति 8010837747, 98231472 47 तथा 7759047247 पर संपर्क कर सकते हैं। गायत्री एंटरप्राइजेज का कार्यालय दुकान नंबर G-12, कृष्णा वन, कृष्णा नगर, खैरापाड़ा, बोईसर (पूर्व), तहसील एवं जिला पालघर - 401501 में स्थित है। संस्था का जीएसटी नंबर 27ABPPP 1459E2ZD है। संस्था ने विश्वास जताया है कि सुरक्षित, समयबद्ध एवं भरोसेमंद परिवहन सेवा के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

कमलादेवी शिक्षण संस्था में निःशुल्क नेत्र एवं मोतियाबिंद जांच शिविर, 110 लोगों ने कराया परीक्षण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमलादेवी शिक्षण संस्था एवं शांतिलाल संघवी आई इंस्टीट्यूट, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को कैलाशनगर स्थित कमलादेवी कॉलेज परिसर में 'सुदर्शन' निःशुल्क मोतियाबिंद एवं संपूर्ण नेत्र रोग जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर अपनी आंखों की निःशुल्क जांच कराई।

कार्यक्रम का उद्घाटन एवं निरीक्षण विभिन्न गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के जिला प्रमुख शरद पाटिल, उपजिला प्रमुख नारायण पाटिल, शहर प्रमुख हेमंत

चौधरी, महिला जिला संघटक मीना ताई मालवे, शाखा प्रमुख दत्ताराम नार्वेकर, कमलादेवी शिक्षण संस्था की कोषाध्यक्ष श्वेता तिवारी-पांडे, अधिकराव सुपुगड़े, कमलाकर आगावने, निलेश मिश्रा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिम्मी सिंह, कमलादेवी पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक अमर मुनेश्वर तथा महाविद्यालय के रजिस्ट्रार सचिन चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिविर में 110 लाभार्थियों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान 29 मरीजों में मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) की पुष्टि हुई। इन सभी मरीजों की 11 अगस्त को मुंबई स्थित शांतिलाल संघवी आई इंस्टीट्यूट में निःशुल्क मोतियाबिंद शल्यचिकित्सा कराई जाएगी। मरीजों के आने-जाने, ऑपरेशन और उपचार की पूरी व्यवस्था संस्था की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। कमलादेवी शिक्षण संस्था ने इस जनहितकारी स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, स्वयंसेवकों, अतिथियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया। संस्था ने भविष्य में भी समाजहित और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े ऐसे निःशुल्क शिविर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

आरटीई को लेकर प्रशासन का नया फरमान मेस्टा को मंजूर नहीं, मेस्टा ने दी आंदोलन की चेतावनी

कल्याण-डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के शिक्षा विभाग द्वारा राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्कूलों द्वारा गणवेश और किताबें उपलब्ध कराने संबंधी जारी किए गए नए आदेश का महाराष्ट्र इंग्लिश स्कूल ट्रस्टीज एसोसिएशन (मेस्टा) ने कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

मेस्टा का कहना है कि प्रशासन का यह नया फरमान निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला है। संगठन ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार आरटीई के तहत बकाया राशि का भुगतान नहीं करती, तब तक इस प्रकार के नए आदेश लागू करना उचित नहीं है। मेस्टा के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजयराव तायडे पाटील ने बताया कि आरटीई के माध्यम से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की फीस के रूप में सरकार पर करीब 3,000 करोड़ रुपये की बकाया राशि है। उन्होंने मांग की कि यह राशि तत्काल संबंधित स्कूलों के खातों में जमा की जाए। संगठन ने राज्य सरकार से अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के लिए स्वतंत्र संरक्षण कानून बनाने की भी मांग की है। मेस्टा का कहना है कि यदि प्रशासन ने नया आदेश वापस नहीं लिया और लंबित भुगतान जल्द जारी नहीं किया, तो राज्यभर में आंदोलन किया जाएगा।

दो दिन पहले भाजपा में शामिल हुए मनसे पदाधिकारियों की घर वापसी

राजू पाटिल के मौजूदगी में फिर मनसे में शामिल

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। दो दिन पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कुछ कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने फिर से मनसे का दामन थाम लिया। मनसे नेता राजू पाटिल की मौजूदगी में इन सभी की पार्टी में दोबारा वापसी कराई गई। इस मौके पर राजू पाटिल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ₹लोगों के गले में झूठा हिंदुत्व डाला जाता है और झूठी बातें बोलने के लिए कहा जाता है। यह बात युवाओं को स्वीकार नहीं होती, इसलिए वे वापस मनसे में लौट आते हैं।उन्होंने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने के बाद कई युवाओं को वहां की कार्यशैली और विचार पसंद नहीं आए, जिसके कारण उन्होंने दोबारा मनसे में लौटने का फैसला किया। राजू पाटिल ने कहा कि मनसे अपने कार्यकताओं के सम्मान और जनहित के मुद्दों पर लगातार काम करती है, इसलिए कार्यकताओं का पार्टी पर विश्वास कायम है। उन्होंने कहा कि आगे भी कई कार्यकर्ता मनसे में शामिल होंगे।

वाडा तथा विक्रमगढ़ में एकलव्य आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ

पालघर (उत्तरशक्ति)। आदिवासी विद्यार्थियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में पालघर जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जव्हार एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना की परियोजना अधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर के मार्गदर्शन में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल की नई शाखाओं का वाडा और विक्रमगढ़ में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक आश्रम विद्यालय, कलंभे में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र समिति, नई दिल्ली तथा महाराष्ट्र ट्राइबल पब्लिक स्कूल सोसायटी, नाशिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना, जव्हार के सहायक परियोजना अधिकारी (प्रशासन) दीपक टिके ने की। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों के पारंपरिक स्वागत एवं पूजन से हुई। अतिथियों ने फीता काटकर विद्यालयों का शुभारंभ किया तथा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं गुलाब का फूल भेंट कर उनका स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य मधुकर सरोदे ने अपने प्रास्ताविक भाषण में एकलव्य

आदिवासी विद्यार्थियों को मिलेगी आधुनिक शिक्षा

मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल योजना के उद्देश्य, आधुनिक आवासीय सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीक आधारित शिक्षण व्यवस्था तथा आदिवासी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि पांडुरंग पटारे ने विद्यालय से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं एवं समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। अध्यक्षीय संबोधन में दीपक टिके ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आहवान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शासकीय माध्यमिक आश्रम विद्यालय, कलंभे तथा एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, वाडा एवं विक्रमगढ़ के शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन भाग्यश्री चांदेवार ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अच्युत पाटील ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, अभिभावक, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सड़क पर गड्ढों को लेकर शिवसेना का उग्र आंदोलन, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

◆काशीगांव मेट्रो स्टेशन पर शिवसैनिकों ने स्वयं भरे गड्ढे, महापौर व नगर प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। फाउंटेन-गायमुख एवं ठाणे-घोड़बंदर मार्ग पर बने जानलेवा गड्ढों और सड़क मरम्मत में कथित लापरवाही को लेकर गुरुवार को शिवसेना ने मीरा-भायंदर शहर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के पदाधिकारियों और शिवसैनिकों ने काशीगांव मेट्रो स्टेशन के निकट सड़क पर उतरकर गड्ढों को स्वयं भरते हुए नगर प्रशासन के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

शिवसेना ने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन और महापौर की लापरवाही के कारण लाखों नागरिक प्रतिदिन खराब सड़कों और

जानलेवा गड्ढों से जूझने को मजबूर हैं। पार्टी का दावा है कि पुलिस एवं यातायात विभाग की ओर से गड्ढों की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए जाने के बावजूद प्रशासन ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। प्रदर्शन के दौरान शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान तत्कालीन महापौर द्वारा घोड़बंदर मार्ग की मरम्मत नहीं कराने के संबंध में नगर आयुक्त को पत्र भेजा गया था। पार्टी ने इसे जनता के हितों की अनदेखी बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की।

शिवसेना का कहना है कि नगर आयुक्त, महापौर और पुलिस प्रशासन को जानलेवा गड्ढों की मरम्मत के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में शिवसैनिक और स्थानीय नागरिक सड़क पर उतर आए और स्वयं गड्ढे भरकर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र सड़क मरम्मत नहीं की गई और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने महापौर और नगर आयुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित।RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जर्जर मकान गिरने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

◆ प्रतापगढ़ में हुआ बड़ा हादसा, एक युवक घायल

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली मोहल्ले में गुरुवार तड़के हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे जिले को स्तब्ध कर दिया। लगातार हो रही बारिश के बीच एक जर्जर दो मंजिला मकान का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय घर में एसी चलने के कारण परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में सो रहे थे। देर रात मकान का कमजोर हिस्सा अचानक ढह गया और सभी लोग मलबे में दब गए।

मृतकों में प्रमोद श्रीवास्तव, उनकी पत्नी रीता श्रीवास्तव, पुत्र नितिन श्रीवास्तव, बहू माधुरी श्रीवास्तव और दो मासूम बच्चे माधो व अद्विक शामिल हैं। वहीं परिवार का बड़ा बेटा अमन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और राहत टीम ने करीब दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि लगातार बारिश के कारण पहले से जर्जर मकान का हिस्सा कमजोर हो गया था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद महुली मोहल्ले में शोक का माहौल है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जर्जर भवनों में रहने से बचें और बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें।

सड़क हादसे में अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद समेत दो की मौत, तीन घायल

◆ झांसी में हुआ भीषण सड़क हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। झांसी-कानपुर हाईवे पर गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद और उसके दोस्त सोनू की मौत हो गई। हादसे में कार सवार तीन अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अबान अहमद प्रयागराज से झांसी जेल में बंद अपने बड़े भाई अली अहमद से मिलने जा रहा था। इसी दौरान पूंछ थाना क्षेत्र के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची तथा सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने अबान अहमद और उसके दोस्त सोनू को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन अन्य घायलों का उपचार जारी है।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार हादसे का मुख्य कारण मानी जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

थोड़ी बारिश में ही सदर अस्पताल की ओपीडी बनी तालाब, मरीजों की बढ़ी परेशानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। हल्की बारिश के बाद ही सरकारी सदर अस्पताल की ओपीडी में पानी भर गया, जिससे मरीजों और तीमारदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे लोगों को जलभराव के बीच से होकर गुजरना पड़ा। बारिश ने जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। ओपीडी परिसर में पानी भरने की तस्वीरें सामने आने के बाद लोगों ने व्यवस्था पर नाराजगी जताई और जिम्मेदारों से जल्द सुधार की मांग की। लोगों ने तंज कसते हुए कहा– 'विकास की गंगा बह रही है, लेकिन अस्पताल की ओपीडी में ही पानी का सैलाब नजर आ रहा है।' अब देखना होगा कि जिम्मेदार इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक कराते हैं।

बैद्यनाथ धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रेलर से टकराई, तीन घायल

मुहम्मद आरिफ खान

देवगांव,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार सुबह बाबा बैद्यनाथ धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से पीछे से टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आईं। जानकारी के अनुसार, बस्ती जनपद के रहने वाले पांच श्रद्धालु कार से झारखंड स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग गुरुवार सुबह अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार देवगांव कोतवाली क्षेत्र के बुढ़ऊ बाबा पेट्रोल पंप के पास पहुंची, चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में आदित्य पुत्र राजेंद्र, प्रेमचंद्र (38) पुत्र रामनयन और इंद्रसेन सिंह (32) पुत्र अंबिका सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं संजय चौधरी पुत्र रामशब्द और रामकिशुन को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही देवगांव कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर एंबुलेंस से संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय, लालगंज भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाली और यातायात को सुचारु कराया।

पहले 6 माह तक केवल मां का दूध पिलाने पर दिया गया जोर

विश्व स्तनपान सप्ताहः मेडिकल कॉलेज जौनपुर में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में गुरुवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) ए.ए. जाफरी के मार्गदर्शन में कम्युनिटी मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा बाल रोग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि 1 से 7 अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह की इस वर्ष की थीम र्जीवन की स्वस्थ और सुरक्षित शुरुआत के लिए स्तनपान है। उन्होंने बताया कि स्तनपान शिशु को संपूर्ण पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है, वहीं माताओं के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने गर्भवती एवं धात्री माताओं से भ्रांतियों से बचने और चिकित्सकों की सलाह के अनुसार स्तनपान कराने की अपील की।

बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ममता ने कहा कि मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम आहार है और जन्म से लेकर पहले छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इसमें शिशु के विकास के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता पाण्डेय ने बताया कि जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना शिशु के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मां का दूध प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जिसकी तुलना किसी भी कृत्रिम आहार से नहीं की जा सकती।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा पाठक ने कहा कि समाज में जागरूकता की कमी और बदलती जीवनशैली के कारण कई माताएं स्तनपान से दूर हो रही हैं। उन्होंने चिकित्सा शिक्षकों और समाज से इस विषय पर सही जानकारी फैलाने और महिलाओं को छह माह तक अनन्य स्तनपान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

सहायक आचार्य डॉ. श्वेता सिंह ने स्तनपान की सही तकनीक, शिशु की उचित स्थिति और संतुलित आहार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही तरीके से स्तनपान कराने से मां और शिशु दोनों को अनेक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमबीबीएस छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा, जिसमें स्तनपान के महत्व, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और इससे जुड़ी भ्रांतियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से परिवारों को नवजात शिशु के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के अनेक चिकित्सक, चिकित्सा शिक्षक, छात्र-छात्राएं, मरीज तथा उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

पत्नी पर शक बना ट्रिपल मर्डर की वजह, प्रयागराज पुलिस ने एनकाउंटर के बाद आरोपी को दबोचा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज पुलिस ने तीन लोगों की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे अपनी पत्नी के कथित अवैध संबंधों का शक था, जिसके चलते उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी वाराणसी के नदेसर क्षेत्र का रहने वाला है। उसने बताया कि 3 अगस्त को उसकी पत्नी बिना बताए शाहगंज चली गई थी और वीडियो कॉल के जरिए अपनी मौजूदगी दिखाई। इससे गुस्साए आरोपी ने रात में शाहगंज पहुंचकर उस कमरे में प्रवेश किया, जहां उसकी पत्नी मौजूद थी। आरोप है कि आरोपी ने कमरे में रखे छोटे गैस सिलेंडर से पत्नी के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए युवक और उसकी पत्नी पर भी उसने हमला कर दिया, जिससे तीनों की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। प्रयागराज पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

82 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड, चेयरमैन कमलेश मोहन ने किया भूमि पूजन

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत दुद्धी क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए जेम्स स्कूल गेट से महावीर मोहाल होते हुए राजमन गुप्ता के घर तक करीब ?82 लाख की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमि पूजन नगर पंचायत चेयरमैन कमलेश मोहन ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। चेयरमैन कमलेश मोहन ने कहा कि नगर क्षेत्र में बेहतर सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। सीसी रोड बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर पंकज अग्रहरि, बुल्लू, दीपक शाह, वार्ड सभासद निरंजन, धीरज, शाहिद आलम, सोनू, सुमित सोनी तथा प्रेम नारायण उर्फ मोनू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने इस विकास कार्य का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सड़क निर्माण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिल सके।

शाहगंज में बधाई लेने को लेकर किन्नरों के दो गुटों में भिड़ंत, पथराव में एक गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में बधाई लेने को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

हंगामे के दौरान एक पक्ष द्वारा अर्धनग्न प्रदर्शन किए जाने की बात सामने आई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान पुलिसकर्मियों से भी धक्का-मुक्की होने की जानकारी मिली है। विवाद के बीच हुए पथराव में एक किन्नर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मामला शाहगंज कोतवाली क्षेत्र का है।

भगत सिंह की क्षतिग्रस्त प्रतिमा 9 अगस्त तक नहीं लगी तो अनिश्चितकालीन धरना व भूख हड़ताल

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील केराकत स्थित सरायबीरू चौराहे पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की क्षतिग्रस्त प्रतिमा को शीघ्र पुनः स्थापित कराने की मांग को लेकर केराकत संघर्ष समिति ने जिलाधिकारी जौनपुर को ज्ञापन सौंपा है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि 9 अगस्त 2026 तक प्रतिमा का सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापन नहीं कराया गया, तो 10 अगस्त 2026 से प्रतिमा स्थल पर शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से अनिश्चितकालीन धरना एवं क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

समिति के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता अनिल सोनकर गांगुली ने ज्ञापन में बताया कि 3 अगस्त 2026 की रात लगभग 2 बजे एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से सरायबीरू चौराहे पर स्थापित शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई थी। उन्होंने कहा कि कई दिन बीत जाने के बावजूद प्रतिमा की पुनर्स्थापना नहीं होने से क्षेत्रवासियों, युवाओं और नागरिकों में गहरा आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त है।

ज्ञापन में कहा गया है कि भगत सिंह केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के प्रेरणास्रोत और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक हैं। इसलिए उनकी प्रतिमा का लंबे समय तक क्षतिग्रस्त अवस्था में रहना जनभावनाओं को आहत कर रहा है।

समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि प्रतिमा को तत्काल पूर्ववत सम्मान के साथ पुनः स्थापित कराया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रतिमा स्थल पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षात्मक बैरियर लगाए जाएं।

ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा तक कार्रवाई नहीं हुई, तो 10 अगस्त से शुरू होने वाले आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस ज्ञापन की प्रतिलिपि उप जिलाधिकारी केराकत, क्षेत्राधिकारी केराकत, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली केराकत तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत केराकत को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

मिलेट्स अपनाएं, सेहत और किसानों की आय बढ़ाएं: जौनपुर में शिक्षकों को मिला विशेष प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग की ओर से गुरुवार को विकास खंड केराकत और डोभी के बीआरसी सभागार में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत स्कूल शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों को श्री अन्न (मिलेट्स) के पोषण, स्वास्थ्य लाभ और उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को भी इसके प्रति जागरूक कर सकें। उप परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि कुपोषण आज देश की बड़ी चुनौती है और इससे बचाव के लिए ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, कोदो, सावा, जौ और जई जैसे मोटे अनाज बेहद लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि ये अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इन्हें 'सुपरफूड' का दर्जा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए इसे मिड-डे मील (एमडीएम) में भी शामिल करने की योजना पर काम कर रही है। इससे बच्चों का पोषण बेहतर होगा, किसानों को मिलेट्स की खेती के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी आय में भी वृद्धि होगी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि मिलेट्स से चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, उपमा, डोसा, इडली, सूप, कटलेट, बिस्कुट, स्नैक्स और चिक्की जैसे अनेक पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर), हैदराबाद के अनुसार अधिकांश मोटे अनाज ग्लूटेन-फ्री होते हैं, जिससे ये सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों के लिए भी उपयोगी माने जाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार मिलेट्स में भरपूर फाइबर, आयरन और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो मधुमेह, मोटापा, एनीमिया और कुपोषण जैसी समस्याओं से बचाव में सहायक हैं। आयुर्वेद के अनुसार भी ये वात और कफ दोष को संतुलित रखने में मददगार होते हैं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक अशोक पाल ने मिलेट्स प्रसंस्करण की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संजय कुमार गुप्ता ने की तथा संचालन एडीओ (एजी) दयानंद सिंह ने किया। प्रशिक्षण में बेसिक शिक्षा विभाग के लगभग 50 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

कौशल, इंटर्नशिप से विधि विद्यार्थियों के लिए करियर की संभावनाएं: प्रो.प्रदीप कुमार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिवस विद्यार्थियों को विधि शिक्षा में करियर की संभावनाओं, व्यक्तित्व विकास तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार ने 'बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) के पश्चात करियर एवं रोजगार की संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि विधि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि न्यायपालिका, प्रशासन, कॉर्पोरेट क्षेत्र और समाज सेवा में नेतृत्व स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन के साथ-साथ इंटर्नशिप, मूट कोर्ट, विधिक शोध, ड्राफ्टिंग तथा प्रभावी संचार कौशल विकसित करने का आह्वान किया, जिससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार और करियर के बेहतर अवसर प्राप्त किए जा सकें। उन्होंने न्यायिक सेवा, अधिवक्ता के रूप में वकालत, लोक अभियोजक, सरकारी विधि अधिकारी, कॉर्पोरेट लॉ, बैंक एवं सार्वजनिक उपक्रमों में विधि अधिकारी, राष्ट्रीय एवं राज्य आयोगों, संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रशासनिक सेवाओं, विधिक शोध एवं शिक्षण, लीगल कंसल्टेंसी, आर्बिट्रेशन एवं मेडिएशन, कंपनी सेक्रेटरी, भारतीय सेना की जेएजी (जज एडवोकेट जनरल) शाखा तथा भारत और विदेश की प्रतिष्ठित लॉ फर्मों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करियर के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधि के क्षेत्र में निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास सफलता की कुंजी हैं।

द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के इंडोर स्टेडियम में हैप्पीनेस एवं मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग, ध्यान एवं प्रेरक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक एकाग्रता, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ जीवनशैली का महत्व बताया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, उपलब्ध संसाधनों, करियर की संभावनाओं तथा व्यक्तित्व विकास से परिचित कराना था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं व्यावसायिक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्थान के विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. वनिता सिंह, जय सिंह, विकास सिंह सहित संस्थान के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।यदि यह विश्वविद्यालय की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के रूप में जारी की जानी है, तो इसे और अधिक औपचारिक तथा समाचार पत्रों में सीधे प्रकाशन योग्य शैली में भी तैयार किया जा सकता है।

आकाशीय बिजली से फूलपुर में विद्युत व्यवस्था चरमराई, 400 केवीए ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त

जीशान अहमद खान

फूलपुर,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गुरुवार तड़के हुई तेज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से नगर पंचायत फूलपुर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से नगर के मुख्य चौक पर लगा 400 केवीए और चकनूरी गांव का 25 केवीए ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण सैकड़ों घरों और दुकानों की बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रही। बारिश के दौरान कई स्थानों पर फॉल्ट आने से बिजली बार-बार गुल होती रही। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कर्मचारी बारिश के बीच सुरक्षा उपकरणों के साथ फॉल्ट ठीक करने और आपूर्ति बहाल करने में जुट गए। मुख्य चौक का ट्रांसफार्मर खराब होने से सुबह से शाम तक नगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित रही, जबकि चकनूरी गांव में पूरे दिन बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों को मोबाइल चार्ज करने समेत रोजमर्रा के कामों में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उपखंड अधिकारी सुजीत कुमार ने मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए सभी अभियंताओं को क्षेत्र में लगातार निगरानी और पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर विद्युत व्यवस्था का जायजा लिया और बहाली कार्य की निगरानी की। अवर अभियंता देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नगर के मुख्य चौक पर खराब हुए 400 केवीए ट्रांसफार्मर के स्थान पर मोबाइल ट्रांसफार्मर लगाकर युद्धस्तर पर बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शाम तक नगर की आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है।

वहीं, चकनूरी गांव के 25 केवीए ट्रांसफार्मर के लिए कार्यशाला को सूचना भेज दी गई है। नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध होते ही गांव की बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बारिश के दौरान बिजली के तार, खंभों, स्टे-रॉड और टूटे हुए केबल से दूरी बनाए रखें। किसी भी खराबी की सूचना तुरंत विद्युत उपकेंद्र को दें और स्वयं मरम्मत का प्रयास न करें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

कष्टभंजन सेवा संस्था द्वारा कांवड़ यात्रा 10 अगस्त को

विरेन्द्र मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। शशिप्रभा बिल्डिंग नं 1 नारिया नगर नियर ठाकुर विद्यामंदिर प्रगति नगर स्थित कष्ट भंजन सेवा संस्था के तरफ से सावन मास में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जलाअभिषेक किया जाएगा इस वर्ष भी नागेश्वर महादेव मंदिर से जल भर कर तुंगारेश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक किया जाएगा। कष्ट भंजन सेवा संस्था अध्यक्ष व भाजपा नेता विरेन्द्र मिश्रा (डीएम भाई मिश्रा) ने बताया कि यह आयोजन दिनांक 10 अगस्त 2026 दिन सोमवार को सुबह 8 : 30 बजे नालासोपारा पूर्व से नागेश्वर महादेव से जल भरकर वसई स्थित तुंगारेश्वर महादेव को जल अर्पण किया जाएगा। सभी भक्तों से अनुरोध है कि ठीक समय पर उपस्थित हो कर कार्यक्रम को सफल बनाए । आप सभी भक्त गण इस कावड़ यात्रा में भारी से भारी संख्या में उपस्थित होकर सनातन धर्म और हिंदुत्व की रक्षा का मान सम्मान कायम रखने के लिए जलाभिषेक कर भगवान शिव जी का कृपा प्राप्त करें। अधिक जानकारी हेतु संस्था के अध्यक्ष डीएम मिश्रा से मोबाइल नंबर 9960600681 पर संपर्क कर सकते हैं।

पॉक्सो एक्ट के मामले में दोषी लालबाबू को 3 साल की सजा, 20 हजार रुपये जुमार्ना

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) सोनभद्र ओमकार शुक्ला की अदालत ने वर्ष 2019 के लैंगिक अपराध के एक मामले में आरोपी लालबाबू को दोषी करार देते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मामला विशेष सत्र परीक्षण संख्या-28/2020 राज्य बनाम लालबाबू से जुड़ा है। अभियोजन के अनुसार थाना बीजपुर क्षेत्र के रजमिलान निवासी लालबाबू ने वर्ष 2019 में जंगल में एक नाबालिग बालिका के साथ अश्लील हरकत और लैंगिक उत्पीड़न किया था। पुलिस विवेचना के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पीड़िता, परिजनों, चिकित्सक, विवेचक समेत अन्य गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी पाया। अदालत ने अभियुक्त को धारा 354-ख भारतीय दंड संहिता और धारा 8 पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषसिद्ध करते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की राशि नियमानुसार पीड़िता को दिए जाने का भी आदेश दिया गया। मुकदमे में राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्री दिनेश प्रसाद अग्रहरी एवं श्री नीरज कुमार सिंह ने पैरवी की।

ठेमा नदी तट के मंदिरों में हाईमास्ट व विद्युत लाइटें स्थापित, श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत दुद्धी के चेयरमैन कमलेश मोहन के प्रयास से ठेमा नदी तट स्थित धार्मिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाया गया है। काली मंदिर, शंकर जी मंदिर एवं पीपल स्थान परिसर में हाईमास्ट सहित विद्युत उपकरणों और लाइटिंग की व्यवस्था कराई गई। धार्मिक स्थलों पर की गई इस पहल से अब शाम और रात्रि के समय दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त रोशनी मिलेगी। इससे मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी और श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि प्रकाश व्यवस्था होने से मंदिर परिसर का वातावरण और बेहतर होगा। इस अवसर पर धनंजय रावत, दुलारे, उमेश अग्रहरि, अमरनाथ, वीरसिंह गोंड सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वर्ष पूर्व अपहृत किशोरी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली पुलिस ने दो वर्ष पूर्व अपहृत हुई किशोरी को बरामद करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शहर के तूतीपुर मोहल्ले से करीब दो वर्ष पूर्व एक लड़की को शिवापार गांव थाना लाइन बाजार निवासी एवं वर्तमान पता सिपाह निवासी दशरथ सोनकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इस मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की विवेचना कर रही पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी दशरथ सोनकर अपहृत युवती के साथ सिपाह क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से युवती को बरामद कर लिया।

पुलिस के अनुसार, बरामद युवती अब 19 वर्ष की हो चुकी है और बालिग है। पुलिस ने युवती को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है

सोशल मीडिया पर अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल करने वाला युवक गिरफ्तार,देशी तमंचा और कारतूस बरामद,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल होने के मामले में एक युवक को अवैध देशी तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल होने के बाद पुलिस टीम जांच और गश्त में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मैरादखान पुलिया के पास से मो. अशहद पुत्र शफीक, निवासी ग्राम चोरसण्ड, थाना गौराबादशाहपुर को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 12 बोर का अवैध देशी तमंचा और एक 12 बोर का जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष गंगासागर मिश्र, उप निरीक्षक अवधेश कुमार, कांस्टेबल अंकित सिंह, नौशाद हुसैन, हरेन्द्र राजभर, अभिषेक सिंह, विमल सोनकर, संदीप कुमार और आदित्य सिंह शामिल रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष के बीच प्रयागराज रवाना हुए कांवरिए, तेरस पर करेंगे बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद क्षेत्र के बेनीपुर गांव से बुधवार को बोल बम कांवरिया संघ का जत्था गंगाजल लेने के लिए प्रयागराज रवाना हुआ। रवाना होने से पहले कांवरियों ने प्राचीन शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। इसके बाद गाजे-बाजे और ञ्हर-हर महादेवञ् के गगनभेदी जयघोष के साथ पूरे गांव में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान ग्रामीणों ने कांवरियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। पूरे गांव का माहौल शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारों के साथ कांवरियों का उत्साहवर्धन किया। बोल बम कांवरिया संघ के सदस्यों ने बताया कि वे प्रयागराज से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए काशी पहुंचेंगे। सावन की तेरस के दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर लोककल्याण और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए थॉमस कुक इंडिया ने पेश किया जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड

पुणे/मुंबई। भारत की अग्रणी ओम्नीचैनल विदेशी मुद्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने अपने वन करंसी कार्ड को नए स्वरूप में लॉन्च करते हुए जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड पेश किया है। जीरो मार्कअप और जीरो क्रॉस-करेंसी कन्वर्जऩ शुल्क जैसी सुविधाओं से लैस यह कार्ड विशेष रूप से उन भारतीय यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता देते हैं और नियमित रूप से विदेश यात्रा करते हैं। यह कार्ड अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के दौरान अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और किफायती भुगतान विकल्प उपलब्ध कराता है।

जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड की प्रमुख विशेषताओं में कार्ड लोड करने पर जीरो फॉरेक्स मार्कअपः कार्ड खरीदते या रीलोड करते समय किसी भी प्रकार का फॉरेक्स मार्कअप शुल्क नहीं। जीरो क्रॉस-करेंसी कन्वर्जऩ शुल्कः अमेरिकी डॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं में भी भुगतान करते समय किसी अतिरिक्त कन्वर्जऩ शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता। साथ ही स्थानीय मुद्रा की उपलब्धता को लेकर भी चिंता नहीं रहती। मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षाः यात्री यात्रा से पहले कार्ड में अमेरिकी डॉलर (वरऊ) लोड कर विनिमय दर को पहले ही लॉक कर सकते हैं। इससे भारतीय रुपये तथा अमेरिकी डॉलर जैसी प्रमुख वैश्विक मुद्राओं में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो जाता है। कार्ड लोड करने के बाद यदि अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है, तो ग्राहकों को उसका लाभ भी मिल सकता है। दीपेश वर्मा, चीफ बिजनेस ऑफिसर फॉरेन एक्सचेंज, थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड, ने कहा, आज के यात्री अंतरराष्ट्रीय खर्च के मामले में पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक हैं और डिजिटल माध्यमों का बेहतर उपयोग करते हैं। हमारा जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड आधुनिक यात्रियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसमें जीरो मार्कअप और जीरो क्रॉस-करेंसी कन्वर्जऩ शुल्क के साथ यात्रा से पहले ही विनिमय दर को लॉक करने का अनूठा लाभ मिलता है। इससे ग्राहकों को विदेश में अपने खर्च पर बेहतर नियंत्रण मिलता है और यात्रा के दौरान मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले अप्रत्याशित बदलावों से भी सुरक्षा मिलती है। मौजूदा अस्थिर वैश्विक मुद्रा परिदृश्य में यह सुविधा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह पहल ह्यइंडिया का फॉरेक्स स्पेशलिस्ट के रूप में थॉमस कुक की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ करती है तथा नवाचार और उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मालदीव में तंबाकू टैक्स नीति में सुधार से संतुलित टैक्स और अवैध तंबाकू कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जरूरत उजागर हुई

मुंबई/मालदीव। भारत में बिकने वाली हर चार में से एक से अधिक सिगरेट अवैध होती है। इसलिए तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने के साथ-साथ अवैध सिगरेट की बिक्री पर सख्त कार्रवाई भी जरूरी है। इससे लोगों की सेहत की रक्षा होगी और सरकार के राजस्व (आय) का भी नुकसान नहीं होगा। मालदीव ने अवैध तंबाकू कारोबार बढ़ने के बाद सिगरेट पर आयात शुल्क (इंपोर्ट ड्यूटी) में 50% की कटौती की है। इस फैसले के बाद फिर से यह चर्चा शुरू हो गई है कि सरकारें तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के बीच सही संतुलन कैसे बना सकती हैं। पब्लिक हेल्थ और पॉलिसी एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत के लिए इससे एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। तंबाकू पर टैक्स तभी सबसे अधिक प्रभावी होता है, जब उसके साथ सख्त कानून लागू किए जाएं, तंबाकू की सप्लाई चेन पर कड़ी निगरानी रखी जाए और अवैध तंबाकू कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाए।

मालदीव के वित्त और योजना मंत्री मूसा जमीर ने संसद में कहा कि यह फैसला विश्व स्वास्थ्य संगठन से हुई चर्चा के बाद लिया गया। उन्होंने बताया कि पहले सिगरेट पर टैक्स बढ़ाने के बाद गैरकानूनी सिगरेट का कारोबार बढ़ने लगा था। इससे कई लोग कानूनी सिगरेट छोड़कर अवैध सिगरेट खरीदने लगे। इसी बढ़ते अवैध कारोबार को रोकने के लिए सरकार ने आयात शुल्क (ड्यूटी) कम करने का फैसला किया।

डॉ. नंदिनी शर्मा, पूर्व डीन एवं डायरेक्टर प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली ने बताया कि, ह्लदुनिया के कई देशों का अनुभव बताता है कि तंबाकू का सेवन कम करने के लिए उस पर टैक्स बढ़ाना एक अच्छा तरीका है। डॉ. मीनाक्षी एन., फैमिली फि ज़िशियन और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट, अपोलो हॉस्पिटल, नोएडा ने बताया कि, मालदीव के अनुभव से यह साफ पता चलता है कि तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने के साथ-साथ कानून का सख्ती से पालन कराना भी जरूरी है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि, बोलीं- पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को हमेशा याद रखा जाएगा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिवंगत बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विधायक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उमाशंकर सिंह का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए लखनऊ के विपुल खंड, गोमती नगर स्थित उनके आवास पर रखा गया है। अंतिम दर्शन के बाद उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव खनवर, नगरा, तहसील रसड़ा, जनपद बलिया ले जाया जाएगा, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का बुधवार शाम दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। वह उत्तर प्रदेश में बसपा के एकमात्र विधायक थे और मायावती के करीबी व भरोसेमंद नेताओं में शामिल माने जाते थे। मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह का निधन पार्टी और समाज के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। इस दुख की घड़ी में बसपा पूरी तरह उनके परिवार के साथ खड़ी है। उमाशंकर सिंह बीमारी के दौरान भी राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे। निधन से कुछ दिन पहले उन्होंने अस्पताल से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को फोन कर सपा विधायक आलम बदी के निधन पर अपनी और पार्टी की ओर से शोक संवेदना व्यक्त की थी।

अयोध्या की लोक गायिका संजोली पांडेय ने ठाणे में मराठी और भोजपुरी गीतों से बांधा समां

ठाणे। पूर्व राज्य मंत्री भारतीय जनता पार्टी के अमरजीत मिश्रा के माध्यम से अभियान संस्था के अंतर्गत मुंबई ठाणे मीरा रोड बसई दीवा डोंबिवली कल्याण आदि जगहों पर श्रावण के महीने में अभियान संस्था के माध्यम से किया जाता है इस वर्ष भी श्रावण महीने मेंउत्तर प्रदेश के अयोध्या से आईं प्रसिद्ध लोक गायिका एवं कजरी क्वीन संजोली पांडेय ने ठाणे के ब्रह्मांड चौक स्थित ज्येष्ठ नागरिक संघ हॉल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी मधुर प्रस्तुति से श्रोताओं का दिल जीत लिया। रतन वशिष्ठ नारायण मिश्रा संतोष जायसवाल के नेतृत्व में एवं जयसिंह आनंद दूबे रवि सिंह नागेंद्र मिश्रा अरविंद गिरी सोनम शर्मा आदि गायक दीपक सुहाना छोटे खेसारी सोनू आदि कलाकार ने प्रस्तुति की इस समारोह में एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाली पुलिस अधिकारी द्वारका भागीरथी विश्वनाथ और पत्रकार श्रद्धा राय को स्त्री शक्ति सम्मान दिया गया। संजोली पांडेय ने भोजपुरी लोकगीतों के साथ-साथ मराठी गीतों की भी शानदार प्रस्तुति दी।

उनकी सुरमयी आवाज और भावपूर्ण गायन पर उपस्थित श्रोता देर तक झूमते और तालियां बजाते रहे। कार्यक्रम में मराठी और भोजपुरी संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला, जिसने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान संजोली पांडेय ने कहा कि संगीत भाषा और प्रदेश की सीमाओं से परे लोगों को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने महाराष्ट्र की संस्कृति के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए मराठी गीतों की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। हॉल में उपस्थित श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन देश की विविधता में एकता को और अधिक मजबूत करते हैं। संजोली पांडेय की दमदार प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया और कार्यक्रम देर तक उत्साहपूर्ण माहौल में चलता रहा।

महिला से चेन छिनैती का पदार्फाश, एक गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व रुपएं बरामद,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस ने मॉर्निंग वॉक के लिए निकली महिला की सोने की चेन छीनकर भागने वाले बाइक सवार बदमाशों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गयें आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व नगदी रुपए भी बरामद किया है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बीते 13 जुलाई की सुबह हीरा लाल वर्मा की पत्नी दमयंती सिंह निवासी ताड़तला मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। उसी समय बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की कीमती चेन छीनकर फरार हो गयें थें।

शहर कोतवाल अनीता सिंह और नये नये आए चौकी प्रभारी पुरानी बाजार सुनिल कुमार यादव मामला दर्ज करते हुए छानबीन में लग गयें। पुलिस को पता चला कि दोनों लुटेरे पड़ोसी जनपद आजमगढ के रहने वाले हैं। पुलिस इनकी तलाश में लगी रही कि गुरूवार के दिन मुखबीर से सूचना मिली कि लुट के आरोपी इस समय कोतवाली थाना क्षेत्र राजा पोखरे की तरफ मोटर साइकिल से आ रहें हैं। मुखबीर की बात का विश्वास करके प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह, चौकी प्रभारी पुरानी बाजार, चौकी प्रभारी सिपाह अलोक तिवारी ने उन्हें पकड़ने का जाल बिछा दिया। जैसे ही लुटेरे प्रवेश किए उसी समय पुलिस ने जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र शिवनाथ निवासी करथौली थाना दीदारगंज जनपद आजमगढ को घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल और सात हजार रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पकड़े गयें आरोपी ने पुलिस को बताया कि छीनी हुई चेन को बेच दिया गया, जिसके पैसे का बटवारा भी किया गया है। पुलिस फरार चल चल रहे दूसरे आरोपी की भी तलाश कर रही है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ सरायख्वाजा पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरायख्वाजा पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमा संख्या 457/2026 से संबंधित चोरी की मोटरसाइकिल लेकर एक व्यक्ति भकुरा मोड़ से काफरपुर की ओर आ रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जंगीपुर फाटक के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अरुण सोनकर (19 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय सुभाष सोनकर, निवासी ग्राम परहूपुर (धमार्पुर), थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर बताया।पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने ग्राम खानपुर अकबर स्थित एक निमार्णाधीन मकान से मालिक के तकिए के नीचे रखी चाबी लेकर मोटरसाइकिल चोरी की थी और उसे अपने गांव ले जा रहा था।

पुलिस ने आरोपी के पास से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या वढ62उ0275 बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना सरायख्वाजा में मु0अ0सं0 457/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर गैस पाइपलाइन हादसे में झूठे शपथ पत्र पर फटकार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के विजय नगर स्थित अवंतिका गैस पाइपलाइन हादसे को लेकर गुरुवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शासन की ओर से दायर शपथ पत्र में झूठी जानकारी दिए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी कोर्ट में उपस्थित हुए और मामले की केस डायरी पेश की। शासन की ओर से अदालत को बताया गया कि हादसे में झुलसे सभी लोगों के इलाज का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जा चुका है।हालांकि, हादसे में झुलसी इन्फ्लुएंसर गिरी उर्फ राजकुमारी झाला की ओर से पेश अधिवक्ता ने इस दावे का विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राजकुमारी झाला का उपचार इंदौर से अहमदाबाद रेफर किए जाने के बाद लगातार जारी है और अब तक करीब 14 लाख रुपए के अस्पताल बिल का भुगतान शासन की ओर से नहीं किया गया है। अन्य पीड़ितों की ओर से उपस्थित वकीलों ने भी इलाज का पूरा खर्च नहीं मिलने की बात अदालत के सामने रखी।

इन दलीलों के बाद हाईकोर्ट ने शासन के शपथ पत्र पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब भुगतान नहीं हुआ, तो शपथ पत्र में इलाज का पूरा खर्च चुकाए जाने की जानकारी कैसे दी गई। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारी को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।सुनवाई के दौरान पार्षद बालमुकुंद सोनी की ओर से उनके अधिवक्ता वर्चुअल माध्यम से पेश हुए। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट के निर्देश पर पार्षद के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की अगली सुनवाई में कोर्ट शासन से विस्तृत जवाब और संबंधित अधिकारी की उपस्थिति के साथ आगे की कार्रवाई करेगा।

काशी के पत्रकारों के लिए बड़ी पहल, एक सप्ताह में आयुष्मान कार्ड देने का आश्वासन

लोकभवन में सूचना निदेशक से मिले पत्रकार प्रतिनिधि, एक देश-एक पत्रकार पहचान पत्र को बताया सही कदम, मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात का भी हुआ जिक्र

-सुरेश गांधी

लखनऊ। काशी के पत्रकारों की स्वास्थ्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और पत्रकार कल्याण से जुड़े मुद्दों को लेकर गुरुवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में उत्तर प्रदेश के सूचना निदेशक से महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस दौरान पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड, चिकित्सा सहायता, कल्याण योजनाओं तथा ह्लएक देशझ्एक पत्रकार पहचान पत्रह्व जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई मुलाकात और पत्रकार हितों को लेकर प्रस्तुत मांगों का भी उल्लेख किया गया.

सुरेश गांधी ने कहा कि ने काशी सहित प्रदेश के अनेक पत्रकार आज भी स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रभावी दायरे से बाहर हैं। फील्ड में लगातार सक्रिय रहने वाले पत्रकार दुर्घटना, बीमारी और आकस्मिक परिस्थितियों का जोखिम उठाते हैं, लेकिन उनके लिए समुचित स्वास्थ्य संरक्षण की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इस पर सूचना निदेशक ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि काशी के पात्र पत्रकारों को एक सप्ताह के भीतर आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी।

इस दौरान पत्रकार कल्याण कोष की प्रभावी क्रियान्विति, आकस्मिक चिकित्सा सहायता, वरिष्ठ पत्रकारों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधा, पत्रकार परिवारों की सुरक्षा ल, पेंशन और सूचना विभाग के साथ बेहतर समन्वय जैसे विषय भी प्रमुखता से उठाए गए। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि पत्रकारों के लिए एक स्थायी स्वास्थ्य सहायता तंत्र विकसित किया जाए, ताकि गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके।

एक देश-एक पत्रकार पहचान पत्र पर गंभीर चर्चा

मुलाकात का सबसे महत्वपूर्ण विषय एक देश-एक पत्रकार पहचान पत्र रहा। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि देशभर के मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए एक समान पहचान पत्र व्यवस्था लागू की जाए, जिससे राज्यों के बीच मान्यता संबंधी विसंगतियां दूर हों और पत्रकारों को विभिन्न सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा आपातकालीन सहायता में समान सुविधा मिल सके।

सूचना निदेशक ने इस प्रस्ताव को सही दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि पत्रकारों की पहचान प्रणाली में एकरूपता लाने का विचार व्यवहारिक और दूरगामी प्रभाव वाला है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्राप्त सुझावों को उच्च स्तर पर अवगत कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने सूचना निदेशक को बताया कि हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी पत्रकारों के मुद्दों पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया था। मुख्यमंत्री के समक्ष स्वास्थ्य सुरक्षा, आयुष्मान कार्ड, पत्रकार कल्याण योजनाओं के विस्तार तथा एक देश-एक पत्रकार पहचान पत्र की अवधारणा को रखा गया। सूचना निदेशक ने मुख्यमंत्री स्तर पर विषय उठाए जाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पत्रकार हितों से जुड़े प्रस्तावों पर सकारात्मक वातावरण बना है।

सूचना निदेशक ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और पत्रकारों की सुरक्षा केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि संस्थागत जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभागीय स्तर पर सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुलाकात के बाद सुरेश गांधी ने इसे काशी के पत्रकारों के लिए सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाला कदम बताया। आयुष्मान कार्ड पर समयबद्ध आश्वासन और एक देश-एक पत्रकार पहचान पत्र पर सकारात्मक प्रतिक्रिया को पत्रकार समुदाय ने महत्वपूर्ण उपलब्धि माना है। इससे काशी के पत्रकारों में नई उम्मीद जगी है कि पत्रकार कल्याण के मुद्दे अब प्रशासनिक प्राथमिकता में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने पहली तिमाही में दर्ज किया अब तक का सर्वाधिक मुनाफा

मुंबई। डोमेस्टिक सप्लाई चेन, एक्सप्रेस डिस्ट्रीब्यूशन और कंसल्टेटिव लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के माध्यम से एकीकृत लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने वाली ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। इस तिमाही के दौरान, ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने एक्सप्रेस डिस्ट्रीब्यूशन और कॉन्ट्रैक्ट लॉजिस्टिक्स, दोनों व्यवसायों में मजबूत रिवेन्यू दर्ज किया। यह प्रदर्शन स्वस्थ वॉल्यूम वृद्धि, मूल्य निर्धारण में अनुशासन, ग्राहक-केंद्रित निष्पादन तथा निरंतर परिचालन दक्षता के बल पर संभव हुआ। कंपनी ने ग्राहकों के साथ गहन जुड़ाव, डिजिटल क्षमताओं को व्यापक रूप से अपनाने तथा लागत अनुकूलन (कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन) पर विशेष ध्यान देकर अपने घरेलू लॉजिस्टिक्स व्यवसाय को और मजबूत किया। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केतन कुलकर्णी ने कहा, "Q1FY27 में हमारा प्रदर्शन हमारे सभी व्यवसायों में अनुशासित निष्पादन की मजबूती को दशार्ता है। एक्सप्रेस डिस्ट्रीब्यूशन और कॉन्ट्रैक्ट लॉजिस्टिक्स, दोनों व्यवसायों में अब तक का सर्वाधिक तिमाही राजस्व हासिल करने के अलावा, सबसे उत्साहजनक बात यह है कि यह वृद्धि अधिक शिपमेंट वॉल्यूम, ग्राहकों के साथ मजबूत संबंधों और परिचालन प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के संतुलित संयोजन से हासिल हुई है।

डॉ. जयशंकर ने अफ्रीकी मिशन प्रमुखों के साथ साझा किया भविष्य का रोडमैप

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 5 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'अफ्रीका दिवस 2026' समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत में तैनात अफ्रीकी मिशन प्रमुखों और राजनयिक समुदाय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भविष्य का रोडमैप साझा किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ़ बनाना था। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने दोनों पक्षों के बीच के मजबूत वैचारिक और ऐतिहासिक आधार को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ‘भारत और अफ्रीका के बीच का रिश्ता ऐतिहासिक संबंधों, सांस्कृतिक समानता और उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष के साझा अनुभवों से आपस में मजबूती से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के लिए दोनों पक्षों का साझा संघर्ष आज आधुनिक वैश्विक मंच पर एक अटूट और भरोसेमंद साझेदारी के रूप में विकसित हो चुका है। डॉ. जयशंकर ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि भारत आज अफ्रीका के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है। उन्होंने आंकड़ों को साझा करते हुए बताया कि दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 93 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और अफ्रीका में भारत का संचयी निवेश 80 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि अफ्रीका महाद्वीप अपनी युवा आबादी और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के साथ बदलाव की दहलीज पर है, जो भारत की नवाचार-आधारित विकास यात्रा का पूरक है। उन्होंने कहा, भारत अफ्रीका के साथ समावेशी और मांग-आधारित विकास सहयोग का पक्षधर है, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए स्थानीय क्षमता को बढ़ाता है। इस दिशा में, मैं आज यह बताना चाहता हू कि भारत सरकार ने अफ्रीका के 40 से अधिक देशों में परियोजनाओं के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की 190 लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) दी हैं। अब तक, 4.5 अरब डॉलर की 220 से अधिक परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं, और कई अन्य पाइपलाइन में हैं। 'ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए जयशंकर ने कहा, ऐसे समय में जब संघर्षों का असर 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) पर तेजी से बढ़ रहा है, हमारी साझेदारी का फोकस खाद्य सुरक्षा पर भी रहा है। हाल के उदाहरणों में बुर्किना फासो, मोजाम्बिक, लेसोथो, नामीबिया, जाम्बिया, जिम्बाब्वे, नाइजीरिया, बोत्सवाना और सिएरा लियोन को अनाज की सप्लाई शामिल है। मोटे अनाज (मिलेट) के उत्पादन को फिर से बढ़ाने का हमारा अनुभव भी अफ्रीकी देशों के लिए बहुत काम का है। इसके अलावा, एकजुटता दिखाते हुए पिछले 5 सालों में 25 से ज्यादा अफ्रीकी देशों को दवाएं, टीके, मेडिकल उपकरण और आपदा राहत सामग्री भेजी गई है।

राजशाही टोपी पहनाकर शिवसेना नेताओं ने मनाया जयप्रकाश सिंह का जन्मदिन

मुंबई। शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना महाराष्ट्र राज्य के लोकप्रिय कार्याध्यक्ष जयप्रकाश सिंह के जन्मदिन के अवसर पर आज शिवसेना मुख्यालय बालासाहेब भवन कार्यालय पर शिवसेना के सभी वरिष्ठ नेताओं ने जयप्रकाश सिंह के जन्मदिन पर उन्हें शॉल, पुष्पगुच्छ व राजशाही टोपी पहनाकर धूमधाम से जन्मदिन मनाया। इस मौके पर जन्मदिन की बधाई देने वालों में शिवसेना महाराष्ट्र राज्य के मुख्य सचिव संजय मोरे, सचिव प्रशांत शेलार, पूर्व आमदार शिवसेना उप नेता किरण पावसकर,संजय मोरे शिवसेना सचिव, प्रशांत पलांडे पूर्व नगरसेवक मीरा भायंदर शहर प्रमुख संपर्क प्रमुख मावल लोकसभा,एकनाथ शेलार सह सचिव शिवसेना ,सुशांत शेलार शिवसेना चिटपट सेना प्रमुख,स्वामी परमहंस गिरी महाराज, दिनेश सिंह, अनिल शुक्ला, संतोष पाठक, सरोज राजभर, संतोष तिवारी, सुषमा सिंह, सरिता पांडे, पूजा पांडे, अब्दुल्ला निजामी, खान विक्रांत, रावल रमेश गुप्ता, सुशील, सुदामा, राजपाल पटेल, संतोष सिंह, उदयभान सिंह, रमेश गुप्ता, प्रवीण सावंत के अलावा भारी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं का समावेश रहा।

यह फिल्म समूह के विभिन्न व्यवसायों को जोड़ने वाले साझा उद्देश्य

मुंबई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने आज अपनी नई कॉर्पोरेट ब्रांड फिल्म लॉन्च की। यह इस वर्ष की शुरुआत में पेश किए गए ग्रुप के नए उद्देश्य और नई ब्रांड पहचान की पहली बड़ी सिनेमाई प्रस्तुति है। एट गोदरेज इंडस्ट्रीज, वी क्राफ्ट शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण टाइगर टेली की जोया अख्तर ने किया है और इसका निर्देशन लाउडमाउथ फिल्म के आकाश भाटिया ने किया है। यह फिल्म ग्रुप के उद्देश्य 1897 से कल का निर्माण को उसके लोगों, व्यवसायों और विचारों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। इस फिल्म की शूटिंग ग्रुप के कार्यालयों, खेतों, फैक्ट्रियों और निर्माण स्थलों पर की गई है। इसमें ग्रुप के विभिन्न व्यवसायों के पीछे काम करने वाले लोगों, प्रक्रियाओं और विचारों को दिखाया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप में अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने का तरीका भले ही अलग हो, लेकिन सभी एक साझा उद्देश्य और महत्वाकांक्षा से जुड़े हुए हैं। यह फिल्म ग्रुप के सभी व्यवसायों के अलग-अलग उद्देश्यों को एक ही कहानी में पिरोती है, जिसमें उपभोक्ता उत्पादों के माध्यम से अच्छाई, कृषि के जरिए समृद्धि, रियल एस्टेट के माध्यम से खुशियां, वित्तीय सेवाओं से आर्थिक उन्नति, रसायन व्यवसाय के जरिए नवाचार और नए उद्यमों के माध्यम से प्रेरणा देने की सोच को दशार्या गया है।

फिल्म केवल उत्पाद बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि क्राफ्टिंग को एक ऐसी सोच के रूप में प्रस्तुत करती है, जो देखभाल, कल्पनाशीलता और जिम्मेदारी पर आधारित है। यह दिखाती है कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप में हर दिन होने वाला काम इस विश्वास को मजबूत करता है कि तरक्की उन लोगों के प्रयासों से होती है, जो कुछ नया बनाने, बेहतर करने और लंबे समय तक टिकने वाली चीजों का निर्माण करने का संकल्प रखते हैं। फिल्म इस भावना को ग्रुप के फाउंडर अर्देशिर गोदरेज की विरासत से जोड़ती है, जिनके जीवन और कार्यों ने यह साबित किया कि नवाचार, ईमानदारी और ऊंची सोच साथ मिलकर ही सबसे अधिक प्रभावशाली बनते हैं। फिल्म के लॉन्च पर गोदरेज इंडस्ट्रीज की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चीफ ब्रांड ऑफिसर तान्या दुबाश ने कहा, इस साल की शुरूआत में, हमने अपना उद्देश्य, 1897 से कल को बनाना पेश किया था, जो एक सदी से भी ज्यादा समय से हमारे बिजनेस को जोड़ने वाली चीजों को दिखाता है। यह फिल्म हमारे लोगों, विचारों और महत्वाकांक्षाओं के माध्यम से उस उद्देश्य को जीवंत रूप में सामने लाती है जो हर दिन हमारे ग्रुप को बनाते हैं। एक ऐसे ग्रुप के रूप में, जिसने सौ वर्षों से अधिक समय तक लगातार विकास किया है, हमारा मानना है कि मूल्य और प्रदर्शन, नवाचार और जिम्मेदारी–इन सभी को साथ लेकर ही हम अगले सौ वर्षों तक भी प्रासंगिक बने रह सकते हैं। टाइगर टेली की प्रोड्यूसर जोया अख्तर ने कहा, मेरे लिए गोदरेज एक विरासत है। भारत में पले-बढ़े किसी भी व्यक्ति का जीवन गोदरेज से किसी न किसी रूप में जुड़ा रहा है। जब मैंने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया, तब मुझे गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के अलग-अलग व्यवसायों, उनके व्यापक दायरे और बड़े पैमाने का वास्तविक एहसास हुआ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ टेक्नोलॉजी की मदद से कम कर रही है अपने जमा व्यवसाय का लागत अनुपात

ठाणे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने प्रौद्योगिकी और स्वचालन के जरिये लागत कम करने के अन्य उपायों में निरंतर निवेश किया है। इसकी वजह से वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बचत व्यवसाय के लिए उसका लागत अनुपात (कॉस्ट-टू-प्रीमियम रेशियो) घटकर 13.6% रह गया है। कंपनी का व्यवसाय बढ़ने के बावजूद, पिछले साल के मुकाबले इसमें 50 आधार अंक की कमी आई है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, गणेशन सौंदिरम ने इस बारे में अपनी टिप्पणी में कहा, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में, कंपनी के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए किए गए निवेश से न सिर्फ हमारे ग्राहकों का सशक्तिकरण हुआ है, बल्कि हमें भी पॉलिसी के पूरे सफर के दौरान उन्हें बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद मिली है। हम ग्राहक बनाने, वितरक की क्षमता बढ़ाने, सेवा प्रदान करने और परिचालन क्षमता को बेहतर बनाने के लिए एआई, एनालिटिक्स और आईसीआईसीआई प्रू पार्टनर स्टैक, आईपीआरयू एज जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। जब हमने अपना टेक्नोलॉजी स्टैक बनाया था, तो हमारा लक्ष्य सिर्फ स्वचालन करना नहीं था। हमारा लक्ष्य था मैनुअल प्रक्रिया से होने वाली दिक्कतों और लागत को कम करना, ताकि बचत का लाभ बेहतर तरीके से ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके और उन्हें तेजी एवं आसानी से सेवा मिले। इसी दृष्टिकोण से अब परिचालन क्षमता को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। यह ग्राहक क्षमता काफी हद तक इस बात पर जोर देने से आई है कि पॉलिसी के लिए आवेदन से इसके जारी होने तक प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ती है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में, डिजिटल केवायसी का इस्तेमाल कर जारी की गई लगभग 58% पॉलिसी और बचत संबंधी पॉलिसी में से लगभग 54% पॉलिसी उसी दिन जारी कर दी गई। कंपनी डिजिटल दावा पंजीकरण के जरिए तेजी से दावा निपटान में मदद देती है। इसमें चैटबॉट 'आस्क खुशमणि', व्हाट्सऐप और एआई-आधारित दावा-पूर्व आकलन और प्रसंस्करण के जरिए रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा मिलती है। अंडरराइटिंग फैसलों में मदद करने वाले एआई-आधारित मॉडल का इस्तेमाल पॉलिसी निरंतरता का अनुमान लगाने और दावे का आकलन करने के लिए भी किया जाता है। इससे वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही दौरान बिना जांच वाले व्यक्तिगत दावे के लिए औसतन सिर्फ एक दिन के टर्नअराउंड समय के साथ 99.3% का उद्योग अग्रणी दावा निपटान अनुपात हासिल हुआ है। रोजमर्रा की सेवा का बड़ा हिस्सा कंपनी के एआई-आधारित चैटबॉट 'आस्क खुशमणि' के जरिए संभाला जाता है। वहीं, नवीकरण (रिन्यूअल) के रिमाइंडर मल्टीलिंगुअल (कई भाषाएं बोलने वाले) वॉयस असिस्टेंट के जरिए भेजे जाते हैं, जो एक घंटे में 50,000 ग्राहकों तक पहुंच सकता है। भारतीय बीमा क्षेत्र में ऐसी सुविधाएं बहुत कम ही देखने को मिलती हैं।

सैमसंग का 'द बिग बेस्पोक एआई फेस्ट'

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपनी विशेष सेल 'द बिग बेस्पोक एआई फेस्ट' की घोषणा की है। 1 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत कंपनी अपने बेस्पोक एआई होम अप्लायंसेज पर आकर्षक ऑफर्स और कैशबैक दे रही है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के जरिए रोजमर्रा के घरेलू कामों को आसान बनाकर उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा और समय उपलब्ध कराना है। सैमसंग के एआई-संचालित रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और वॉशर-ड्रायर कॉम्बो जैसे स्मार्ट होम अप्लायंसेज घरेलू कामों को आसान बनाने के साथ-साथ समय की बचत में भी मदद करते हैं। कंपनी का कहना है कि इन स्मार्ट सॉल्यूशंस की मदद से परिवार घर के कामों में कम समय देकर अपनों के साथ अधिक समय बिता सकते हैं। देश की आजादी के वर्ष 1947 को खास अंदाज में याद करते हुए कंपनी चुनिंदा बेस्पोक एआई अप्लायंसेज पर 19,470 रुपये तक का कैशबैक दे रही है। इसके अलावा, सैमसंग केयर+ के तहत चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन पर एक वर्ष की विस्तारित वारंटी के साथ दो वर्ष की अतिरिक्त वारंटी मुफ्त मिलेगी। वहीं, चुनिंदा सिंगल-डोर रेफ्रिजरेटर के लिए केवल 99 रुपये में एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी का विकल्प भी उपलब्ध है। खरीदारी को और आसान बनाने के लिए सैमसंग फाइनेंस+ के जरिए जीरो डाउन पेमेंट सहित लचीले फाइनेंस विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। 25 किलोग्राम वॉशर-ड्रायर कॉम्बो पर 20/5 फाइनेंस स्कीम के तहत '1 ईएमआई ऑफ' का विशेष लाभ भी मिलेगा।

परिक स्वाद के साथ बेहतर पोषण देगा आशीर्वाद चना सत्तू : अनुज रुस्तगी

दरभंगा। आशीर्वाद चना सत्तू सावधानीपूर्वक चयनित और उच्च गुणवत्ता वाले चने से तैयार किया गया है। इसे पारंपरिक रेत-भूनाई प्रक्रिया के माध्यम से बनाया जाता है, जिससे इसे प्रामाणिक सत्तू की विशिष्ट भुनी हुई सुगंध, स्वाद और सुनहरा रंग प्राप्त होता है। उक्त बातें आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन में स्टेपल्स और एडजसेंसीज के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अनुज रुस्तगी ने आईटीसी लिमिटेड के ब्रांड आशीर्वाद चना सत्तू के मिथिलांचल में लॉन्च के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि समान रूप से रेत में भूनकर और बारीक पीसकर तैयार किए जाने के कारण इसकी बनावट बेहद मुलायम होती है, जिससे यह विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ रोजमर्रा के कई प्रकार के उपयोग के लिए उपयुक्त है। आशीर्वाद चना सत्तू पारंपरिक स्वाद के साथ बेहतर पोषण भी देगा।

ऑडी इंडिया का अगले तीन सालों में बाजार हिस्सेदारी दोगुनी करने का लक्ष्य

मुंबई। ऑडी इंडिया विकास के अगले चरण में कदम रख रही है। कंपनी का पूरा जोर अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ाने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और देशभर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर है। कंपनी ने 2027 तक तीन नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की पुष्टि की है। इसकी शुरूआत आने वाले त्योहारी सीजन में नई ऑडी Q3 से होगी। इसके बाद 2027 में अगली पीढ़ी की ऑडी अ5 और फ्लैगशिप ऑडी Q9 लॉन्च होंगी। ऑडी इंडिया की योजना 2027 के अंत तक अपने रिटेल नेटवर्क को 25% से ज्यादा बढ़ाने की भी है, जिसमें टियर-II और टियर-III बाजारों पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। मौजूदा डीलरशिप को भी ब्रांड के वैश्विक 'प्रोग्रेसिव शोरूम' कॉन्सेप्ट के साथ अपग्रेड किया जा रहा है, जो ग्राहकों को एक बेहतर और डिजिटल-फर्स्ट रिटेल अनुभव देता है। ऑडी इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, हम नए उत्पादों की एक मजबूत पाइपलाइन और बाजार में लगातार निवेश के दम पर ऑडी इंडिया के विकास का अगला चरण बना रहे हैं। जैसे-जैसे हम अलग-अलग कैटेगरी में नए मॉडल ला रहे हैं, हमारा ध्यान भारतीय लक्जरी कार बाजार में ज्यादा विकल्प देने और अपनी मौजूदगी को मजबूत करने पर है। हम अगले तीन वर्षों में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मौजूदा 8% से दोगुना करना चाहते हैं।

कंपनी अपने डीलर नेटवर्क पर 2,500 से ज्यादा बिक्री और सेवा पेशेवरों को प्रशिक्षित करके अपने कस्टमर इकोसिस्टम को मजबूत करने में भी निवेश कर रही है। ऑडी अप्रूव्ड प्लस जैसी पहल ग्राहकों को एक भरोसेमंद और आसान प्री-ओन्ड लक्जरी कार अनुभव देती रहती है, जिससे उनकी पूरी खरीद-प्रक्रिया आसान बनती है। कस्टमर लॉयल्टी कंपनी की एक प्रमुख ताकत बनी हुई है, जहां आज भारत में बिकने वाली हर तीसरी ऑडी किसी मौजूदा ऑडी ग्राहक द्वारा खरीदी जा रही है। ऑडी इंडिया का मानना है कि भारत के लक्जरी कार बाजार का भविष्य बहुत शानदार है। इसकी वजह है लोगों की बढ़ती आमदनी, प्रीमियम कारों की बढ़ती मांग, और छोटे शहरों में बढ़ता ग्राहक आधार। कंपनी अगले साल के अंत तक अपने शोरूम की संख्या बढ़ाकर 40 करने वाली है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने खालापुर में अत्याधुनिक मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट विनिर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट (एमएचई) व्यवसाय ने आज महाराष्ट्र के खालापुर में अपने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र के संचालन की शुरूआत की घोषणा की। यह पहल स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने और भारत के लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग तथा सप्लाई चेन क्षेत्र के अगले विकास चरण को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ३६० एकड़ में फैले नौरोजी गोदरेज इंडस्ट्रियल पार्क के भीतर स्थित यह संयंत्र विनिर्माण, ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल और वेयरहाउसिंग जैसे क्षेत्रों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता ६,००० इकाइयों की है, जिसे मांग के अनुसार बढ़ाकर १५,००० इकाइयों तक किया जा सकता है। यह सुविधा गोदरेज की स्थानीय स्तर पर डिजाइन और निर्मित नवोन्मेषी मटेरियल हैंडलिंग समाधानों की आपूर्ति क्षमता को और सुदृढ़ करेगी। प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्रों, जैसे न्हावा शेवा पोर्ट और आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट स्थित होने के कारण यह संयंत्र घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से उपयुक्त है। यहां आर्टिकुलेटेड ट्रकों सहित विभिन्न मटेरियल हैंडलिंग समाधान निर्मित किए जाएंगे, जिसमें गोदरेज भारत की एकमात्र विनिमार्ता कंपनी है। इन उत्पादों का निर्यात दुनिया के ४० से अधिक देशों में किया जाता है, जो कंपनी की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दशार्ता है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट व्यवसाय के बिजनेस हेड, अनिल लिंगायत ने कहा,हमारे खालापुर संयंत्र का संचालन प्रारंभ होना भारत के मटेरियल हैंडलिंग विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुविधा उन्नत ऑटोमेशन, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग और स्वदेशी इंजीनियरिंग का समावेश करती है, जिससे तेजी से विकसित होते लॉजिस्टिक्स परिदृश्य के लिए विश्वस्तरीय समाधान उपलब्ध कराए जा सकेंगे। जैसे-जैसे भारत अपनी विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को सुदृढ़ कर रहा है, वस्तुओं की कुशल आवाजाही आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस संयंत्र के माध्यम से हम केवल अपनी उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि मजबूत सप्लाई चेन के निर्माण, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और ह्यमेक इन इंडिया, ह्यपीएम गति शक्ति तथा विकसित भारत जैसे राष्ट्रीय उद्देश्यों में योगदान भी दे रहे हैं। भविष्य के लिए तैयार इस विनिर्माण केंद्र में रोबोटिक वेल्डिंग, स्वचालित पेंटिंग, डिजिटल असेंबली गाइडेंस, स्मार्ट क्वालिटी एश्योरेंस सिस्टम और एंड-ऑफ-लाइन टेस्टिंग जैसी इंडस्ट्री ४.० तकनीकों एवं उन्नत ऑटोमेशन का समावेश किया गया है। संसाधन-कुशल विनिर्माण प्रक्रियाओं, स्वचालित पेंट सिस्टम और ऊर्जा दक्ष तकनीकों के माध्यम से स्थिरता को भी संचालन का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। हाल ही में इकोवाडिस गोल्ड मेडल से सम्मानित गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप वैश्विक स्तर पर स्थिरता प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकित शीर्ष ५% कंपनियों में शामिल है।

वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड इंडिया मुंबई रीजनल चैंपियनशिप में युवा रोबोटिक्स छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

मुंबई। वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड(डब्ल्यूआरओ) इंडिया मुंबई रीजनल चैंपियनशिप 2026 में युवा इंजीनियरों की प्रतिभा, रचनात्मक सोच और नई तकनीक का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्रों ने इस वर्ष की वैश्विक थीम रोबोट्स मीट कल्चर पर आधारित आधुनिक रोबोटिक्स प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

अभिनेता रितेश देशमुख और अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने फ्यूचर इनोवेटर्स एलिमेंट्री श्रेणी में भाग लेने वाले अपने बच्चों और बाकी सभी छात्रों का उत्साह बढ़ाया। दोनों ने छात्रों से बातचीत की और उनके द्वारा तैयार किए गए रोबोटिक्स प्रोजेक्ट्स देखे। छात्रों की तकनीक के प्रति रुचि, रचनात्मक सोच और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता की उन्होंने खूब सराहना की। रितेश और जेनेलिया देशमुख की मौजूदगी से छात्रों, अभिभावकों, मार्गदर्शकों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से इंडिया STEM फाउंडेशन और नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूज़ियम्स (NCSM) द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में फ्यूचर इनोवेटर्स एलिमेंट्री और सीनियर श्रेणी के छात्रों ने विशेषज्ञ जजों के सामने अपने नवाचार आधारित रोबोटिक्स प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। विभिन्न चरणों में हुई मूल्यांकन प्रक्रिया दौरान छात्रों ने अपनी रचनात्मक सोच और तकनीकी

कौशल का प्रदर्शन किया। छात्रों के इन प्रोजेक्ट्स में यह दिखाया गया कि रोबोटिक्स और तकनीक की मदद से सांस्कृतिक विरासत को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है, उसका बेहतर तरीके से प्रदर्शन किया जा सकता है और उसे नए रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है तथा रचनात्मक सोच और इंजीनियरिंग कौशल के माध्यम से वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान भी किया जा सकता है। मुंबई रीजनल चैंपियनशिप, फ्यूचर इनोवेटर्स श्रेणी के लिए देशभर में आयोजित की जा रही दस रीजनल चैंपियनशिपओं में से एक है। रीजनल राउंड में चयनित टीमें 26 से 28 अगस्त 2026 तक जीएमआर एरिना, जीएमआर एयरोसिटी, हैदराबाद में आयोजित होने वाली वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड (डब्ल्यूआरओ) इंडिया नेशनल चैंपियनशिप 2026 में भाग लेंगी। वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड (डब्ल्यूआरओ) इंडिया केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह युवा छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने, मिलकर काम करने और रोबोटिक्स, कोडिंग तथा इंजीनियरिंग के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। यह चैंपियनशिप अनुभव आधारित STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के बढ़ते महत्व को भी दशार्ती है। ऐसे प्रयास भारत की नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीक, उद्योग और नवाचार के लिए बेहतर तरीके से तैयार कर रहे हैं।